दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 138/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

फिरोजिया ने केंद्रीय गृह मंत्री से महाकाल लोक क्षेत्र में सीआईएसएफ, सुरक्षा की मांग की

अनिल फिरोजिया ने गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर बाबा महाकाल मंदिर परिसर एवं महाकाल लोक क्षेत्र में सीआईएसएफ/सीआरपीएफ जैसी केंद्रीय सुरक्षा बलों की स्थायी तैनाती का अनुरोध किया। महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग विश्वभर के करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और प्रतिवर्ष 2.5 लाख से लेकर विशेष अवसरों पर 5 लाख से

अधिक श्रद्धालु दर्शन हेतु पहुंचते हैं। सुरक्षा के दृष्टिकोण से उज्जैन ज़िले में चिन्हित संवेदनशील गतिविधियों, हथियार बरामदगी मामलों और आपराधिक तत्वों की सक्रियता को देखते हुए महाकाल लोक की सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही वर्ष 2028 तक अनुमानित 20-25 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय सुरक्षा बलों की तैनाती से सुरक्षा प्रबंधन को बहुआयामी मजबूती मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि गृह मंत्री इस प्रस्ताव पर शीघ्र आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान करेंगे, जिससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालु महाकाल लोक में सुरक्षित, शांतिपूर्ण और दिव्य अनुभव प्राप्त कर सकें।

नक्सलवाद का खात्मा, न समानांतर थाने और न समानांतर अदालत

भोपाल ● सांध्यप्रकाश

मध्यप्रदेश की मोहन सरकार 13 दिसंबर को 2 साल पूरे करने जा रही है। इस उपलक्ष्य में भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। यहां उनके साथ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश भाजपा मीडिया प्रमुख आशीष अग्रवाल, एसीएस नीरज मंडलोई और जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने जहां दो साल की उपलब्धियां गिनाईं, वहीं भविष्य के कुछ लक्ष्य भी रेखांकित किये। उन्होंने अपने कार्यकाल को विकास और सेवा के दो वर्ष कहा, तो अभ्युदय मध्यप्रदेश का नारा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था सबसे बड़ी समस्या थी। छत्तीसगढ़ से लगे मध्यप्रदेश के कई इलाके नक्सलवाद से प्रभावित रहे, जहां एक साथ 17-17 पुलिसकर्मियों की हत्या तक कर दी गई। यहां तक कि एक मंत्री को घर से निकालकर थाने के पास कुल्हाड़ी से हत्या कर दी गई थी। उस समय समानांतर थाने, समानांतर कोर्ट और समानांतर सत्ता चलने लगी थी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस संबंध में डेडलाइन तय की, तब सभी को लगा कि यह संभव होगा भी या नहीं। लेकिन कई पुलिस अधिकारी स्वयं आगे आए और बालाघाट में ड्यूटी की मांग की, जिससे नक्सलवाद खत्म करने में बड़ी मदद मिली। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि मंडला, बालाघाट और डिंडोरी में नक्सली समस्या खत्म करना प्रदेश के लिए एक बड़ा उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों और आम नागरिकों ने इसकी बड़ी कीमत

चुकाई है, मैं उन सभी को सलाम करता हूं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अब जरूरत है कि सिस्टम को इतना मजबूत बनाया जाए कि यह समस्या दोबारा सिर न उठा सके।

शिप्रा में ही स्नान हो, इसलिए बनाई 800 करोड़ की योजना– नदी जोड़ो अभियान पर बोलते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश में सिंचाई का रकबा तेजी से बढ़ रहा है। परस्पर सौहार्द के तहत राजस्थान और मध्यप्रदेश दोनों राज्यों में पार्वती, कालीसिंध और चंबल नदी का पानी पहुंचने से बड़ी राहत मिलेगी। सीएम यादव ने कहा कि उज्जैन की शिप्रा नदी में दो तरह की चुनौतियां थीं। पिछले सिंहस्थ में साधु-संतों ने गंभीर नदी के पानी से स्नान किया था। स्नान तो हुआ और सिंहस्थ संपन्न हुआ, लेकिन शिप्रा नदी का पानी उपलब्ध नहीं था। इस बार जल संसाधन विभाग ने व्यवस्था कर दी है कि सिंहस्थ में शिप्रा नदी के जल से स्नान हो सके। इसके लिए लगभग 800 करोड़ रुपए की योजना बनाई गई है।

मध्यप्रदेश में एक राज्य के अंदर दो नदियों को जोड़ने का अभियान भी शुरू किया गया है। इसके तहत गंभीर और खान नदी को मिलाने के लिए टनल बनाकर नदी से नदी जोड़ने का काम किया गया है। ऊपर खेती होती है और नीचे नदी की धारा बहती है।

भोपाल में जीआईएस सुविधा – मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भोपाल में पहले जीआईएस सुविधा उपलब्ध नहीं थी, जिसे उनकी सरकार ने लागू किया। इसके अलावा, सागर में खाद का कारखाना चालू होने से यूरिया और अन्य खाद की आपूर्ति में आसानी होगी। उन्होंने बताया कि सरकार ने न केवल व्यवस्थाएं चलाईं, बल्कि दूरदर्शी सोच के साथ ऐसे प्रोजेक्ट भी पूरे किए जो सामान्यतः लंबा समय लेते।

- शेष पेज 2 पर देखें

भोपाल गैस त्रासदी के कचरे का निष्पादन हमने किया

मुख्यमंत्री यादव ने इंदौर की हुकुम चंद मिल का जिक्र करते हुए कहा कि 300 से 400 करोड़ के बकाया में उलझी मिल का निराकरण होने के बाद अब 70 से 80 हजार करोड़ का प्रोजेक्ट यहां लगने वाला है। उन्होंने कहा कि भोपाल गैस त्रासदी के कचरे का निष्पादन करने का काम उनकी सरकार ने किया है।

प्राइवेट से ज्यादा वेतन देंगे, ताकि एक्सपर्ट सरकारी सेवा में आएं

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती डॉक्टरों की कमी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि, तेज गति से मेडिकल कॉलेज खुल रहे हैं तो हमको उसके हिसाब से मैनपॉवर भी चाहिए। हेल्थ सेक्टर में एक्सपर्ट नहीं मिलने की चुनौती तो है, लेकिन हमने तय किया है कि हम प्राइवेट सेक्टर से ज्यादा वेतन देकर एक्सपर्ट डॉक्टरों को सरकारी सेवाओं में आगे लाएंगे।

सर्वाधिक निवेश वाला तीसरा राज्य

डा. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक वातावरण बनाने के लिए हमने नये प्रयोग किये। भोपाल में पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर की इन्वेस्टर्स मीट आयोजित की। इसके अलावा ग्वालियर, जबलपुर, सागर, नर्मदापुरम जैसे शहरों में भी निवेशक सम्मेलन आयोजित किए। एमओयू साइन करने के साथ जमीनों का आवंटन भी कर दिया। कुल 8.57 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव तो धरातल पर आ गए हैं। मप्र सर्वाधिक निवेश वाला तीसरा राज्य बन गया है।

पहली बार दो साल की समीक्षा और तीन साल का लक्ष्य

डा. मोहन यादव ने कहा कि उन्होंने विभागीय समीक्षाओं में भी नवाचार लागू किया है। प्रदेश में पहली बार ऐसा हुआ कि दो साल की समीक्षा हमने की है। साथ ही आगे के तीन सालों के लिए हमने लक्ष्य निर्धारित किए हैं। इससे 5 साल का लघु चित्र सामने आ जाता है।

विकास और सेवा के दो वर्ष... पर विशेष आलेख एवं विवरण पेज 4 एवं 8 पर

अहिंसा के नाम पर अनदेखी हिंसाः समय की पुकार और आत्मचिंतन

(भाग तृतीय)

नया समय, नई चुनौतियाँ और नई समाचारी की अनिवार्यता

समय की माँग है कि हम परंपरा की आत्मा को समझें, उसके बाहरी खोल को नहीं। जैन दर्शन अहिंसा का शिखर है, परंतु यदि अहिंसा के पालन के लिए अनजाने में महाहिंसा बढ़ने लगे, तो यह केवल समाज ही नहीं, बल्कि पूरे दर्शन के लिए गंभीर प्रश्नचिह्न बन जाता है। आज साधु-वृंद भी बदलते समय की जटिलताओं को अनुभव कर रहे हैं और श्रावक समाज भी व्यवस्था के बोझ तले दब रहा है। ऐसे में एक नए संतुलन, नए विचार और नए मार्ग की आवश्यकता स्वाभाविक है।

समाज अक्सर यह प्रश्न पूछता है कि क्या नियमों का कठोर पालन ही धर्म है, या परिस्थितियों के अनुसार सहज समायोजन ही सच्चा धर्म कहलाता है? यदि साधु-वृंद को सहज उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप आचार-विचार अपनाने में सुविधा दी जाए, यदि गोचरी, विहार और विसर्जन जैसी आवश्यक क्रियाओं को आधुनिक यथार्थ के अनुरूप सरल बनाया जाए, तो इससे न केवल हिंसा का अल्पीकरण होगा, बल्कि साधु और श्रावक दोनों की गरिमा भी बढ़ेगी।

समय बदला है, परिवेश बदला है, नगरों की रचना बदली है, जीवन की गति बदली है। परंतु समाचारी अब भी वही है जो सौ वर्ष पहले गाँवों के खुले वातावरण को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। आज साधु-साध्वी के एक पड़ाव की व्यवस्था करने में भी समाज को अनेक कानूनी, सामाजिक, भौतिक और नैतिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ऐसा लगता है कि व्यवस्था को निभाने के लिए समाज हिंसा, झूठ, छल, रसायन, दिखावा और अनगिनत बोझ अपने सिर पर उठाने को मजबूर हो गया है। यह स्थिति न साधुओं के लिए सम्मानजनक है और न श्रावकों के लिए उचित।

सबसे बड़ी आवश्यकता है-संवाद की, परिस्थिति को समझने की, और नए समाधान खोजने की। साधु-वृंद और समाज यदि एक स्थान पर बैठकर समयानुकूल समाचारी बनाएँ, तो जैन धर्म फिर से दुनिया को यह दिखा सकता है कि वह केवल ग्रंथों में बंद दर्शन नहीं, बल्कि वर्तमान में जीवंत, वैज्ञानिक, व्यवहारिक और मानवीय दृष्टिकोण वाला जीवन मार्ग है। अहिंसा की यह नई समझ ही 21वीं सदी की दुनिया को मार्गदर्शन दे सकती है। आज मानवता हिंसा, तनाव, पर्यावरण संकट और असंतुलन के बीच समाधान तलाश रही है। जैन दर्शन में वह क्षमता है कि वह एक बार फिर विश्व-दर्शन के रूप में उभरे। परन्तु इसी शर्त पर कि हमारे आचार-विचार समय के अनुरूप सहज हों, और धर्म का बोझ किसी पर भी हिंसा या मजबूरी का कारण न बने। क्रिया वही सार्थक है जो सहज रूप से पूर्ण हो। जटिल क्रियाओं के लिए की गई अनावश्यक क्रिया भी महाकर्म बंध का कारण बनती है। इसलिए समय की मांग है- हम चिंतन करें, मनन करें, और वह मार्ग चुनें जो वास्तव में अहिंसा का सार सुरक्षित रख सके।

सुगालचन्द जैन, चेन्नई

एमबीबीएस 2019 बैच की ग्रेजुएशन की सेरेमनी में छात्रों से अनुभव किए साझा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एमबीबीएस 2019 बैच की ग्रेजुएशन की सेरेमनी का आयोजन चिकित्सा महाविद्यालय के ऑडिटोरियम में किया गया। ग्रेजुएशन सेरेमनी में डॉ धनंजय शर्मा, सेवानिवृत्त प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष सर्जरी विभाग नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज जबलपुर मुख्य अथिति, डॉ उल्का श्रीवास्तव, पूर्व संचालक चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश गेस्ट ऑफ ऑनर एवं डॉ अरुणा कुमार संचालक चिकित्सा शिक्षा मध्यप्रदेश स्पेशल गेस्ट के रूप में सम्मिलित हुए । प्रोफेसर डॉ कविता एन सिंह, अधिष्ठाता गांधी चिकित्सा महाविद्यालय भोपाल द्वारा सेरेमनी में उपस्थित छात्रों के अभिभावक एवं अतिथियों को अभिवादन किया एवं छात्रों को संबोधित करते हुए सुनहरें भविष्य की शुभकामनायें दी, साथ ही प्रेरित किया कि गांधी चिकित्सा महाविद्यालय की उत्कृष्ठ परंपरा को आगे ले जाते हुए महाविद्यालय का नाम रोशन करें।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ धनंजय शर्मा जो कि चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ख्यातिलब्ध हस्ती हैं, इनके द्वारा 29 देशों में एवं 40 से ज्यादा यूनिवर्सिटी में गेस्ट फेकल्टी रहें है, इनके द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2 किताबें एवं 18 चेप्टर पब्लिश किये गये हैं एवं 440 इंडेक्स पब्लिश किये जा चुके हैं, एम एस सर्जरी पाठ्यक्रम में प्रसिद्ध पुस्तक सेरेमनी लवस शार्ट प्रैक्टिस ऑफ सर्जरी में योगदान देने वाले प्रदेश के एक मात्र चिकित्सक हैं। प्रोफेसर डॉ धनंजय शर्मा को 2019 बैच के छात्रों को अपने अनुभव को साझा करते हुए जीवन के विभिन्न पहलुओं को 10 पाठ में बताया गया, जैसे कि ज्ञानी व्यक्ति द्वारा कभी घमंड नहीं किया जाना चाहिये। प्रत्येक कठिनाई एक अवसर है, हमको उन विषयों पर शोध करना चाहिए जो हमारे लिये महत्वपूर्ण हैं, हमें समस्याओं का समाधान स्वंय ढूढना चाहिए, हमे विज्ञान के विचारों पर चर्चा करना चाहिए न कि व्यक्तिओं एवं घटनाओं पर, खुले विचारों वाले बनो, जीवन में बदलाव के लिए नये नये अच्छे अविष्कार एवं मूल विचारों को उत्पन्न करें, सबसे अच्छा और सरल समाधान खोज एवं अच्छे विचारों को पहचानों उनके विचारों से छात्र काफी प्रात्साहित थे। गेस्ट ऑफ ऑनर डॉ उल्का श्रीवास्तव एवं स्पेशल गेस्ट डॉ अरुणा कुमार द्वारा द्वारा भी छात्रों को एमपैथी एंड सिमपैथी के साथ इलाज करने हेतु प्रेरित किया एवं सुनहरें भविष्य की शुभकामनायें दीं।एमबीबीएस 2019 बैच के छात्रों द्वारा अध्ययनरत रहते हुए गांधी चिकित्सा महाविद्यालय का उन्नयन देखा। एमपीएमएसयू के 15 टॉपर छात्रों में से 11 छात्र गांधी चिकित्सा महाविद्यालय एमबीबीएस 2019 बैच थे, इनके बैच से 44 छात्रों द्वारा पीजी पाठ्यक्रम हेतु परीक्षा उत्तीर्ण की है। एमबीबीएस 2019 बैच के छात्र रूसैल रावल के परिजन डॉ अरविंद रावल द्वारा ग्रेजुएशन सेरेमनी के प्रोग्राम को सरहाया गया एवं बताया गया कि कार्यक्रम बहुत ही व्यवस्थित था, डॉ धनंजय शर्मा एवं डीन मैडम का उदबोधन बहुत प्रेरणादायक था। उक्त सेरेमनी का आयोजन प्रोफेसर डॉ कविता कुमार स्टाफ एडवाइजर के सहयोग से किया गया, जिसमें अतुल श्रीवास्तव, डॉ अर्चना श्रीवास्तव एवं डॉ अमृता पटेरिया द्वारा सहयोग प्रदान किया गया। कार्यक्रम में छात्रों (हर्ष अग्रवाल, राजश्री गुप्ता, राजेश्वर मिश्रा, संदीप वर्मा, दान्या नावास, आयुष्मान वर्यानाई) द्वारा समन्वय किया गया ।

महिला बाल विकास मंत्री ने गौहर महल में परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल का किया उद्घाटन

भोपाल। राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में 11-14 दिसम्बर तक आयोजित 'परी बाज़ार हेरिटेज फ़ेस्टिवल-2025' के छठे संस्करण का महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल की आत्मा–महिला सशक्तिकरण, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि 'परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल' केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भोपाल की ऐतिहासिक पहचान और महिलाओं की प्रगति का जीवंत प्रतिनिधित्व है। उन्होंने बताया कि 150 वर्ष पुरानी महिला बाज़ार की परंपरा को आधुनिक स्वरूप में पुनर्जीवित करने वाला यह फेस्टिवल महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भूमिका को नए अवसर प्रदान करता है। मंत्री सुश्री भूरिया ने बेगम ऑफ भोपाल क्लब और डब्लूईईएस की टीम को 2017 से निरंतर महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दी। मंत्री सुश्री भूरिया ने लाड़ली लक्ष्मी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली बहना योजना, और लगभग एक लाख आंगनबाड़ियों के माध्यम से मातृ एवं बाल पोषण को मजबूत करने का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य है।उन्होंने बताया कि डब्लूईईएस द्वारा 7 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया है और संस्था अब तक 2000 से अधिक महिलाओं और युवतियों को शिक्षा, कौशल और आजीविका के अवसर से जोड़ चुकी है। मंत्री सुश्री भूरिया ने इस वर्ष फेस्टिवल में शामिल ट्राइबल फ़ूड फेस्टिवल की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की पाक-परंपरा न केवल स्वाद का अद्भुत अनुभव देती है, बल्कि प्रकृति-सम्मत जीवन का अनूठा ज्ञान भी समाहित करती है। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल संस्कृति, परंपरा और आधुनिक महिला-शक्ति को एक मंच पर प्रस्तुत करता है।

दादाजी धाम मंदिर में हनुमत कथा महोत्सव 25 से

भोपाल, सांध्यप्रकाश। दादाजी धाम मंदिर पटेल नगर रायसेन रोड में हनमंत कथा महोत्सव का आयोजन 25 से 27 दिसंबर तक किया जाएगा। दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष शिवरतन नामदेव एवं ट्रस्टी मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य कैलाश चंद्र, करुणा शर्मा, चेतन शमा ने बताया कि श्री दादाजी गुरुदेव साईखेड़ा वालों के पावन सानिध्य में आयोजित इस हनमंत कथा महोत्सव में कथा व्यास बालसंत कामेश कृष्ण महाराज श्रीधाम वृंदावन बहादुरपुरा कथा सुनाएंगे। कथा समय दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक रहेगा।

पर्वतासन हमें पर्वत की स्थिरता, मन की स्पष्टता और जीवन में ऊंचा उठने की शक्ति प्रदान करता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस - पर्वतासन से शक्ति, स्थिरता और समरसता का संदेश - पर्वत दिवस पर पर्वतासन का अभ्यास, हमें प्रकृति की अद्भुत दृढ़ता और स्थिरता का अनुभव कराता है। जैसे पर्वत अडिग खड़े रहते हैं, वैसे ही यह आसन मन को संबल और शरीर को संतुलन देता है। हाजीपुरा गार्डन, नमस्ते सर्किल अहमदाबाद की पावन धरती पर सूर्योदय की स्वर्णिम किरणें साधकों में नई ऊर्जा का संचार कर रही थीं। योग गुरु मुकेश कोठारी एवं योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में साधकों का समूह पर्वत समान दृढ़ता का प्रतीक बना हुआ था। पर्वतासन मेरुदण्ड को सीधा, मांसपेशियों को सुदृढ़ और श्वास को लयबद्ध बनाकर सम्पूर्ण शरीर में प्राणशक्ति जगाता है। यह आसन तनाव को दूर कर मानसिक स्पष्टता, जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाता है। शरीर को हल्का, मन को स्थिर और विचारों को शांत बनाने वाला यह आसन ध्यान की भूमिका भी तैयार करता है। पर्वत की तरह ऊँचा उठना और धरती की तरह स्थिर रहना - यही पर्वतासन का सत्य संदेश है।अभ्यास हमें सिखाता है कि चुनौतियों के बीच भी अडिग रहना ही वास्तविक शक्ति है। प्रकृति से जुड़कर किए गए ऐसे योग साधन जीवन में संतुलन, अनुशासन और आत्मबल को मजबूत करते हैं। सूर्योदय की प्रकाशमान किरणों और समूह साधना की ऊर्जा से वातावरण आध्यात्मिक और प्रेरणादायक बन जाता है। पर्वत दिवस पर किया गया पर्वतासन, शरीर ही नहीं - आत्मा को भी ऊँचा उठाने का संदेश देता है।

समाजसेवा को मिला सम्मान बड़ोदिया बने नेचर वेलफेयर काउंसिल के राज्य सदस्य

सीहोर। सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर कार्य करने वाले सक्रिय कार्यकर्ता विनोद कुमार बड़ोदिया को राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है। दिल्ली स्थित प्रतिष्ठित संस्था नेचर वेलफेयर काउंसिल के चेयरमेन राहुल त्रिवेदी, वाइस चेयरमेन उद्यान कुलश्रेष्ठ और असिस्टेंट डायरेक्टर मनोज भारद्वाज ने उन्हें मध्यप्रदेश इकाई के लिए राज्य सदस्य के पद पर नियुक्त किया है। श्री बड़ोदिया की नियुक्ति उनके सामाजिक कार्यों और प्रकृति के प्रति समर्पण को देखते हुए की गई है। 09 दिसंबर को जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार यह जिम्मेदारी तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। विनोद बड़ोदिया अगले दो वर्षों अर्थात 08 दिसंबर 2027 तक इस पद पर कार्य करेंगे। यह नियुक्ति काउंसिल की केंद्रीय स्थायी समिति की सिफारिशों के आधार पर की गई है। राज्य सदस्य के रूप में श्री बड़ोदिया अब मध्यप्रदेश में प्रकृति कल्याण और सामाजिक सामंजस्य से जुड़े काउंसिल के उद्देश्यों को जमीनी स्तर पर लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। टीम सदस्यों में उत्साह ग्राम जमोनिया टैंक निवासी विनोद बड़ोदिया को यह जिम्मेदारी मिलने पर उनकी टीम, सामाजिक कार्यकर्ताओं और पर्यावरण प्रेमियों में हर्ष का माहौल है। केंद्रीय सचिव ज्योतिबेन परमार द्वारा जारी नियुक्ति पत्र में उन्हें काउंसिल के नियमों और विनियमों का निष्ठापूर्वक पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। श्री बड़ोदिया अपने नए पद के माध्यम से राज्य में पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव कल्याण और सामाजिक जागरूकता के कार्यों को नई गति प्रदान करेंगे, जिसका लाभ जिले सहित पूरे प्रदेश को मिलेगा। श्री बड़ोदिया को यह महत्वपूर्ण दायित्व मिलने पर जाटव समाज के संरक्षक ब्रजेश चौधरी, कपिल सूर्यवंशी, आशीष रोहिला, राकेश चक्रधर, सुशील कचनेरिया, शुभम कचनेरिया, चम्पालाल राठौर, सीताराम भारती, मन्शाराम अहिरवार, राजेश अरिहवार, रविशंकर सूर्यवंशी, गोपीलाल आदि ने बधाई और शुभकामनाएँ दी हैं।

रणजीत हनुमान प्रभातफेरी में निकाली रामायण आधारित झाकियां, दो लाख भक्त हुए शामिल

इंदौर। शुक्रवार तड़के चार बजे इंदौर के पश्चिमी क्षेत्र से रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी आरंभ हुई, जिसमें दो लाख से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। कड़ाके की ठंड के बावजूद भक्तों का उत्साह अविचल दिखाई दिया। पूरे मार्ग पर भगवा पताकाएं, भजन मंडलियों की स्वर लहरियां और भक्ति में रमे लोगों का विशाल जनसमूह नजर आया। प्रभातफेरी की तैयारियां रात से ही रणजीत हनुमान मार्ग पर शुरू हो चुकी थीं। सुबह शोभायात्रा में बाबा रणजीत का रथ 32वें क्रम पर शामिल था। रथ के आगे भजन मंडलियां, नृत्य दल और नासिक ढोल कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से माहौल को उत्सवमय बना रहे थे। पूरे आयोजन के दौरान ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्थाएं भी सुव्यवस्थित दिखाई दीं।

आतिशबाज़ी के बीच भव्य शोभायात्रा का प्रस्थान

सुबह चार बजे मंदिर परिसर से बाबा रणजीत पारंपरिक रथ पर सवार होकर प्रभातफेरी के साथ रवाना हुए। इस अवसर पर आकर्षक आतिशबाज़ी की गई। शोभायात्रा महूनाका की ओर अग्रसर होती हुई अन्नपूर्णा, दशहरा मैदान और नरेंद्र तिवारी मार्ग से गुजरकर पुनः मंदिर परिसर पहुंची। प्रभातफेरी में रामायण आधारित दो आकर्षक झांकियों का प्रदर्शन किया गया, जिन्हें उपस्थित श्रद्धालुओं से विशेष प्रशंसा मिली। इसके अतिरिक्त 20 से अधिक भजन मंडलियां भी शोभायात्रा का हिस्सा बनीं। कई भक्त नंगे पैर चलते हुए शामिल हुए, जबकि कुछ श्रद्धालु मार्ग की स्वच्छता के लिए झाड़ू लगाते दिखाई दिए। रणजीत हनुमान की प्रभातफेरी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था अत्यंत कड़ी रही। पाँच सौ से अधिक पुलिसकर्मियों को पूरे मार्ग पर तैनात किया गया, जबकि ऊँची इमारतों से भी जवान लगातार निगरानी करते रहे। ड्रोन कैमरों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी गई। रथ के चारों ओर पुलिस ने सुरक्षा घेरा बनाए रखा। लगभग चार किलोमीटर लंबे यात्रा मार्ग से जुड़ी गलियों में भी जवानों की तैनाती की गई और बैरिकेड लगाकर आवागमन नियंत्रित किया गया। प्रभातफेरी के मद्देनज़र शहर की यातायात व्यवस्था में अस्थायी बदलाव किए गए। शुक्रवार तड़के तीन बजे से फूटीकोठी, उषा नगर और अन्नपूर्णा मार्ग पर वाहनों का

आवागमन प्रतिबंधित रहा। इसके अतिरिक्त फूटीकोठी चौराहे से रणजीत हनुमान रोड होते हुए महूनाका चौराहे तक ट्रैफिक पूरी तरह बंद रखा गया।

पेज 1 का शेष

विकास और सेवा के दो वर्ष... अभ्युदय मध्यप्रदेश

शिक्षा-स्वास्थ्य का नया दौर- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में नया दौर शुरू हुआ है। हमारा लक्ष्य हर जिले में एक मेडिकल कालेज खोलने का है। लोगों से कहा गया है कि वे कालेज खोलें दस साल तक के लिए हम जिला अस्पताल उन्हें दे देंगे, जहां वे प्रेक्टिकल कर सकेंगे। कालेजों में शोध, अनुसंधान के साथ ही रोजगार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कैम्पस में ही आईटी पार्क खोले जा रहे हैं।

मेट्रोपालिटन शहरों का विकास- डा. यादव ने कहा कि उन्होंने भोपाल और इंदौर-उज्जैन के लिए मेट्रोपालिटन क्षेत्र विकसित करने की योजना बनाई है। शहर का विकास शहर के अंदर ही क्यों हो, बाहर भी होना चाहिए। इन दोनों योजनाओं से एक दर्जन से अधिक शहरों का विकास होगा। जमीनों के नामांतरण की ई नामांतरण योजना लागू कर दी गई है। अभी तक एक करोड़ मामलों का निष्पादन हो चुका है।

कृषि और दुग्ध उत्पादन का लक्ष्य- मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में कृषि उत्पादन बढ़ाने के साथ ही फसलों की प्रोसेसिंग भी यहीं पर हो, किसानों को उचित दाम मिलें, इसके लिए सरकार काम कर रही है। गोशालाओं का आकार बढ़ाया है, सड़कों पर गोमाताओं की संख्या कम हुई है, पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य है। दुग्ध उत्पादन 9 से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य रखा गया है।

डिप्टी सीएम बोले- विकास और विरासत दोनों पर ध्यान- कॉन्फ्रेंस की शुरुआत में डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार का दो साल का कार्यकाल पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ मध्यप्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जा रहे हैं। इन दो वर्षों में विकास और विरासत दोनों पर विशेष ध्यान दिया गया है।

अच्छे शासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णयों के दो साल: खंडेलवाल- बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कहा कि विकास और सेवा के ये दो वर्ष अच्छे शासन, पारदर्शिता और त्वरित निर्णयों के लिए जाने जाते हैं। त्वरित कार्यवाही से भ्रष्टाचार पर भी अंकुश लगा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के विभिन्न जिलों में कैबिनेट बैठकें आयोजित करके क्षेत्रीय विकास को प्राथमिकता दी है। कार्यक्रम में डा. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश, विकास और सेवा के दो वर्ष', नई राहें नए अवसर एवं जिलों की विकास यात्रा पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

खजराना गणेश मंदिर की दानपेटी से निकले 1.40 करोड़, विदेशी करंसी, ज्वेलरी और मनोकामना के पत्र

इंदौर, सांध्यप्रकाश। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर परिसर में 43 दानपेटियां अलग-अलग स्थानों पर लगाई गई हैं। इसमें से मुख्य स्थानों पर रखी गई दानपेटियों की गिनती का क्रम जारी है। तीन दिन में बुधवार तक मुख्य दानपेटियों से एक करोड़ 37 लाख की राशि निकली है। इसमें 34 लाख रुपये बुधवार को निकले हैं। पेटियों में भक्तों द्वारा डाले गए मनोकामना के पत्र भी मिले हैं। इंदौर के खजराना गणेश मंदिर की दान पेटियां सोमवार को खोली गईं। राशि की गणना नगर निगम परिषद् कार्यालय के अधीक्षक प्रदीप दुबे के नेतृत्व में 25 सदस्यीय टीम कर रही है। अब तक एक करोड़ 40 लाख रुपए गिने जा चुके हैं। चौथे दिन भी गिनती जारी है। बताया गया कि इस बार भी बड़ी संख्या में बंद हो चुके 2000 और 500 के नोट मिले हैं।

खजराना मंदिर से मिली जानकारी के अनुसार, कुछ नकली नोट भी दान पेटियों से निकले हैं। इस बार दान पेटियों से एक मोबाइल भी मिला है। बड़ी संख्या में भक्तों द्वारा भगवान गणेश को लिखे गए पत्र भी मिल रहे हैं। सोने-चांदी के असली और नकली आभूषण भी बड़ी मात्रा में मिले हैं। गणना अभी 2 दिन और चलेगी। दानपेटियों की गणना सोमवार से शुरू हुई थी। कैमरे की निगरानी में सुरक्षा व्यवस्था के बीच गिनती की जा रही है। अनुमान जताया जा रहा है कि यह अगले दिन जारी रहेगी। चार माह पहले एक अगस्त को दस दिन चली गिनती में एक करोड़ 68 लाख रुपये की राशि प्राप्त हुई थी। हर साल तीन बार दानपेटियों की गिनती की जाती है। दान पेटियों से निकलने वाली राशि कम होती जा रही है, जबकि मंदिर प्रबंधन का खर्च लगातार बढ़ रहा है। मंदिर में क्यूआर कोड से दान की सुविधा है, लेकिन कोड ऐसी जगह लगे हैं, जहां कम दिखाई देते हैं। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि दान राशि की गिनती की पूरी प्रक्रिया सीसीटीवी की कड़ी निगरानी में होती है और वीडियो रिकॉर्डिंग भी अनिवार्य रूप से की जाती है, ताकि कार्य में पूर्ण पारदर्शिता बनी रहे। दान पेटियों से मिलने वाली राशि का उपयोग मंदिर की धार्मिक, सामाजिक और जनकल्याणकारी गतिविधियों में किया जाता है।

फर्जी दस्तावेजों से आईएएस बने संतोष वर्मा पर मुख्यमंत्री का कड़ा एक्शन

बर्खास्तगी के लिए केंद्र को भेजा जा रहा प्रस्ताव

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर सामान्य प्रशासन विभाग ने अफसर संतोष वर्मा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जाली दस्तावेजों के आधार पर आईएएस अवार्ड कराने के मामले में उन्हें सेवा से बर्खास्त करने की तैयारी की जा रही है। मध्य प्रदेश में प्रशासनिक हलकों में हड़कंप मचाने वाले संतोष वर्मा प्रकरण में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कड़ा रुख अपनाया है। मुख्यमंत्री के सीधे हस्तक्षेप और सख्त निर्देशों के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने विवादास्पद अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। राज्य सरकार ने माना है कि संतोष वर्मा ने फर्जी दस्तावेजों और धोखाधड़ी के जरिए आईएएस संवर्ग में पदोन्नति हासिल की थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस मामले का संज्ञान लेते हुए जीएडी को तत्काल प्रभाव से कठोर कदम उठाने के निर्देश दिए थे। इन निर्देशों के परिपालन में विभाग ने तीन महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं, जो राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में एक नजीर बन सकते हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि राज्य प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नति के लिए संतोष वर्मा द्वारा फर्जी और जाली आदेश तैयार करवाए गए थे। उनके खिलाफ विभिन्न न्यायालयों में आपराधिक प्रकरण भी लंबित हैं। सरकार ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया है कि धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर ली गई आईएएस की पदोन्नति पूरी तरह गलत है। चूंकि आईएएस अधिकारियों की नियुक्ति और बर्खास्तगी का अंतिम अधिकार केंद्र सरकार के पास होता है, इसलिए राज्य सरकार ने संतोष वर्मा को आईएएस सेवा से बर्खास्त करने का प्रस्ताव केंद्र शासन को भेजने का निर्णय लिया है। यह किसी भी अधिकारी के लिए सेवा काल का सबसे कठोर दंड माना जाता है।

विभागीय जांच और चार्जशीट का फैसला

संतोष वर्मा की मुश्किलें यहीं कम नहीं हो रही हैं। उनके विरुद्ध जाली और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर 'संनिष्ठा प्रमाण पत्र' प्राप्त करने के आरोपों पर भी विभागीय जांच अपने अंतिम चरण में है। बताया गया है कि इस मामले में संतोष वर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उनके द्वारा प्रस्तुत किया गया जवाब संतोषजनक नहीं पाया गया। विभाग का कहना है कि संतोष वर्मा द्वारा लगातार मर्यादा विहीन वक्तव्य जारी किए जा रहे हैं, जो एक प्रशासनिक अधिकारी के आचरण के विपरीत है। इन सभी तथ्यों को देखते हुए राज्य शासन ने उन्हें चार्जशीट (आरोप पत्र) जारी करने का निर्णय लिया है।

बिना काम के मंत्रालय में अटैच

तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करते हुए राज्य शासन ने संतोष वर्मा को उनकी वर्तमान जिम्मेदारी से मुक्त कर दिया है। अभी तक वे कृषि विभाग में उप सचिव के पद पर पदस्थ थे। सरकार ने उन्हें इस पद से हटाते हुए सामान्य प्रशासन विभाग के पूल में अटैच कर दिया है। आदेश में स्पष्ट है कि उन्हें 'बिना विभाग और बिना कार्य' के रखा जाएगा, जिसे प्रशासनिक भाषा में 'लूप लाइन' में डालना कहा जाता है।

अटलजी भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्रप्रदेश के धर्मावरम में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

मुख्यमंत्री अटल ज्योति संदेश यात्रा में हुए शामिल

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने राष्ट्र सेवा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। वे हिमालय के समान विराट व्यक्तित्व के धनी थे। पूरी दुनिया में उनका एक अलग ही सम्मान है। वे भाषा से, भाषण से और व्यक्तित्व से गंगा-यमुना की तरह पवित्र थे। आज आंध्र प्रदेश में उनके जन्मशताब्दी वर्ष में 15 दिवसीय अटल ज्योति संदेश यात्रा की शुरुआत हुई है। यह यात्रा आंध्र प्रदेश के 20 जिलों तक पहुंचेगी और 25 दिसंबर को स्व. वाजपेयी की जयंती के अवसर पर यात्रा का समापन होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आंध्र प्रदेश के सत्य साईं जिले के धर्मावरम में स्व. वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण भी हुआ है। स्व. वाजपेयी का जन्म 25 दिसंबर 1923 को ग्वालियर के एक मध्यमवर्गीय परिवार में हुआ। उन्होंने देश-दुनिया में अपनी प्रतिभा के बल पर नाम कमाया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री एन. चंद्रबाबू नायडू के साथ श्री वाजपेयी के घनिष्ठ संबंध रहे। उनके कार्यकाल में ही श्री नायडू एनडीए के प्रेसिडेंट बने थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को धर्मावरम में अटल ज्योति संदेश यात्रा में सहभागिता की एवं स्व. वाजपेयी की विशाल प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अटलजी ने लगातार तीन बार प्रधानमंत्री बनकर देश की जनता की सेवा की। पोखरण में परमाणु परीक्षण किया। कारगिल में पाकिस्तान को सबक सिखाया। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की सौगात दी। आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी के बताए मार्ग पर देश की सरकार चल रही है। प्रधानमंत्री श्री मोदी और मुख्यमंत्री श्री नायडू की दोस्ती पक्की है। चंद्रबाबू नायडू आंध्र प्रदेश में एनडीए सरकार में मुख्यमंत्री हैं। वे आंध्र प्रदेश को हर क्षेत्र में आगे बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश भी विकास के पथ पर अग्रसर है। एनडीए ने भगवान श्रीकृष्ण के वंशज को मध्यप्रदेश की कमान सौंपी है। आंध्र प्रदेश में श्री नायडू ने सत्या जी को आगे बढ़ाया है। यही सबका साथ-सबका विकास का संकल्प है। जनता के चेहरे के भाव देखकर ऐसा लग रहा है कि आंध्र प्रदेश और मध्यप्रदेश दो बिछड़े भाइयों के समान हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों को आयुष्मान योजना से मुफ्त इलाज, सागर माला, भारत माला, स्टैंड-अप इंडिया, स्टार्ट-अप इंडिया जैसी योजनाएं दी हैं। आज हम प्रधाममंत्री श्री मोदी और श्री नायडू के नेतृत्व में आंध्र प्रदेश और देश को आगे बढ़ते हुए देख रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्र प्रदेश के पार्टी अध्यक्ष श्री टीवीएन माधव को अटल ज्योति संदेश यात्रा के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि अटल ज्योति संदेश यात्रा से आंध्र प्रदेश की जनता को स्व. वाजपेयी के जीवन के विविध पहलुओं से परिचित होने का अवसर मिलेगा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. वाजपेयी कहते थे कि अपना हृदय विशाल बनाओ। सबके साथ, सबके लिए काम और विकास करो। स्व. वाजपेयी की पंक्तियां याद आती हैं- छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता और टूटे मन से कोई खड़ा नहीं होता।

कार्यक्रम में विधायक मधुसूदन रेड्डी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में स्थानीयजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न प्रणब मुखर्जी जी की जयंती पर नमन किया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी जी की जयंती पर सादर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश के विकास और आर्थिक सुधारों के लिए श्रद्धेय प्रणब मुखर्जी जी का योगदान सदैव याद किया जाएगा।

पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शिवराज पाटील का निधन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और देश के पूर्व गृहमंत्री शिवराज पाटील का निधन हो गया है। 91 साल की उम्र में उन्होंने सुबह करीब 6.30 बजे लातूर में अपने घर 'देववर' में अंतिम सांस ली। शिवराज पाटील चाकूरकर लोकसभा के सभापति और विभिन्न केंद्रीय मंत्री पदों पर कार्यरत रहे थे। लंबी बीमारी के कारण घर पर ही उनका इलाज चल रहा था। कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर दुख जताया है और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं। अपने राजनीतिक करियर में शिवराज पाटील ने देश के लिए कई प्रतिष्ठित पदों की जिम्मेदारी संभाली है। महाराष्ट्र से आने वाले शिवराज पाटील चाकूरकर मराठवाड़ा के लातूर से सांसद रह चुके हैं। लातूर ग्रामीण सीट से वह 1973 से 1980 तक विधायक रहे। 1980 के बाद वह लातूर संसदीय सीट से चुनाव जीतकर कई बार लोकसभा पहुंचे। साल 2008 में मुंबई में आतंकवादी हमले के समय शिवराज पाटील देश के गृह मंत्री थे। मुंबई आतंकी हमले में सुरक्षा चूक को लेकर काफी आलोचना होने पर पाटील ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने मुंबई हमले रोकने में अपनी नाकामी स्वीकार की और नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए अपना पद छोड़ दिया था।

मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट सम्पन्न, राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होंगे 26 श्रेष्ठ अधिकारी

भोपाल, सांध्यप्रकाश। 69वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में मध्यप्रदेश पुलिस का प्रभावी और सशक्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट का आज दिनांक 11 दिसंबर को डायल 112 के स्टेट कमांड सेंटर, भोपाल में समापन हुआ। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जोन, जिलों और इकाइयों से कुल 107 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी-अपनी संबंधित तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधाओं में उत्कृष्ट कौशल और उच्च स्तर की तैयारी का प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में साइंटिफिक एड्स टू इन्वेस्टिगेशन श्रेणी के अंतर्गत विवेचना अधिकारियों ने मेडिको-लीगल ओरल परीक्षा, क्रिमिनल लॉ, फिंगरप्रिंट परीक्षण, ऑब्जर्वेशन टेस्ट, पोर्ट्रेट पार्ले, हैंडलिंग-लिफ्टिंग-पैकिंग-सीलिंग तथा एग्जिबिट्स के फॉरवर्डिंग की वैज्ञानिक प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण विधाओं में अपनी दक्षता का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। ये सभी विधाएँ वास्तविक अपराध अन्वेषण और न्यायालयीन प्रक्रिया से सीधे जुड़ी होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रतिभागियों ने इन्हें बेहद पेशेवर तरीके से प्रस्तुत किया। वहीं पुलिस फोटोग्राफर्स द्वारा एक्सपर्ट पुलिस फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी परीक्षा में उत्कृष्ट तकनीकी समझ, एविडेंस डाक्यूमेंटेशन की सटीकता और आधुनिक उपकरणों के उपयोग में उनकी निपुणता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएँ) श्री के. पी. वेंकटेश्वर राव, उमनि एवं संचालक एफएसएल श्री शशिकांत शुक्ला तथा एफएसएल के संयुक्त संचालक प्रभारी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर राव ने सभी प्रतिभागियों को वैज्ञानिक साक्ष्य के महत्व, न्यायालय में प्रभावी प्रकरण प्रस्तुति, डीएनए एवं अन्य प्राथमिक साक्ष्यों के संकलन की शुद्ध विधि, तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग पर अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज के समय में वैज्ञानिक आधारित विवेचना ही मामलों को न्याय तक पहुँचाने की निर्णायक शक्ति बन चुकी है, इसलिए इस प्रकार के आयोजन प्रदेश पुलिस की क्षमता-वृद्धि में अत्यंत सहायक सिद्ध हो रहे हैं। श्री राव ने यह भी बताया कि इस राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों से कुल 26 अधिकारियों की एक विशेष टीम गठित की जाएगी, जो अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी। इस टीम को प्रतियोगिता से पूर्व एक माह का सघन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिसमें वैज्ञानिक विवेचना, तकनीकी परीक्षण, क्राइम सीन मैनेजमेंट, डिजिटल एवं फोरेंसिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण और पूर्व अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय पदक विजेताओं द्वारा विशेष सत्र शामिल रहेंगे।

मानवाधिकार-संविधान और समाज पर विशेषज्ञ-प्रबुद्धजनों ने की परिचर्चा

भोपाल, सांध्यप्रकाश। टीवी 27 एवं भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन, एलएनसीटी कॉलेज के बैनर तले एलएनसीटी यूनिवर्सिटी के सीएमसी हॉल में एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। विषय था मानवाधिकार, निर्माण और समाज। कार्यक्रम की शुरुआत टीवी 27 के प्रमुख एसएन मालवीय के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने मानवाधिकारों के महत्व पर ज़ोर दिया। राजन मेहता ने इस कॉन्क्लेव के पीछे के उद्देश्य को विस्तार से समझाया। मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष अवधेश प्रताप सिंह ने इस दिन के महत्व और मानवाधिकार आयोग की भूमिका के बारे में बताया। अनुपम चौकसे ने एलएनसीटी यूनिवर्सिटी में समारोह आयोजित करने के लिए टीवी 27 और एलएनसीटी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि जनता के सामने आने वाले मुद्दों को जल्दी समाधान के लिए सही मंच पर संबोधित किया जाना चाहिए। उन्होंने छात्रों को ज्ञान हासिल करने के लिए इस अवसर का उपयोग करने की सलाह दी। पहले पैनल में मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग के सदस्य अवधेश प्रताप सिंह, पूर्व डीआईजी लालजी मिश्रा, पूर्व डीजीपी एसके राउत, सदस्य सचिव महिला आयोग सुरेश तोमर, आईपीएस श्रद्धा तिवारी ने जेल में जुल्म, पुलिस डिपार्टमेंट में प्रॉब्लम, महिलाओं के खिलाफ जुल्म, आदिवासी महिलाओं की एजुकेशन के बारे में डिटेल में बात की। सुरेश तोमर ने आदिवासी लोगों के लिए एजुकेशन की इंपोर्टेंस पर ज़ोर दिया ओर कहा सभी धर्म जाति समुदाय भाषा धार्मिक ग्रन्थ से पहले संविधान है संविधानसम्मत कार्य होंगे तो मानवाधिकार सुरक्षित रहेंगे। स्टूडेंट्स के उठाए सवालों का पैनलिस्ट्स ने अच्छे से जवाब दिया।

दूसरे पैनल में मिस आशा शुक्ला (पूर्व वाइस चांसलर), मिस्टर मुकेश कुमार साहू (डीन और डायरेक्टर विधि), कला मोहन (सोशल एक्टिविस्ट), सुश्री शिखा छिब्बर (मानव अधिकार अधिवक्ता), सोमकुवर (पूर्व जेल अधीक्षक) शामिल हैं। साहू ने ज़ोर दिया कि स्टूडेंट्स को स्कूल लेवल पर ह्यूमन राइट्स के बारे में सिखाया जाना चाहिए। आशा शुक्ला ने अपनी व्याख्यान में लैंगिक समानता पर ज़ोर दिया। शिखा छिब्बर ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ कई क्राइम सही प्लेटफॉर्म पर रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं। महिलाएं अपनी प्रॉब्लम शेयर करने में हिचकिचाती हैं। उन्हें इसे पब्लिक नोटिस में लाने में शर्म महसूस नहीं करनी चाहिए।

कला मोहन ने बताया कि स्कूलों में कई अच्छी प्रैक्टिस फॉलो की जानी चाहिए और स्टूडेंट्स को बच्चों के खिलाफ जुल्म के बारे में एजुकेट किया जाना चाहिए। माता-पिता को अपने बच्चों के साथ ज़्यादा समय बिताना चाहिए। लॉ स्टूडेंट को लोगों को ह्यूमन राइट्स के बारे में बताना चाहिए। सोमकुवर ने बताया कि आज के समय में जेल एक सुधार गृह है यह एक ऐसी जगह है जहाँ लोगों को न सिर्फ़ सज़ा मिलती है बल्कि अपनी गलतियाँ सुधारने का मौका भी मिलता है। महिला कैदियों के साथ सही बर्ताव होना चाहिए। जेल के कैदियों के बच्चों को पढ़ाई से दूर नहीं रखना चाहिए। पेनल परिचर्चा का संचालन उमेश गुप्ता ने एवं कार्यक्रम का संचालन शैलेंद्र ओझा ने और आभार प्रदर्शन बीएमए के मानद सचिव शंकरण ने किया।

एम.पी. ट्रांसको चलाएगी रोको-टोको अभियान

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने इंदौर शहर में ट्रांसमिशन लाइनों के नजदीक चायनीज मांझे से पतंग उड़ाने के कारण उत्पन्न होने वाली संभावित दुर्घटनाओं और विद्युत व्यवधानों पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण पहल की है। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और उन्हें सतर्क व सुरक्षित रखने के उद्देश्य से कंपनी इंदौर में विशेष ''रोको-टोको '' अभियान चलाएगी। एम.पी. ट्रांसको की कार्यपालन अभियंता श्रीमती नमृता जैन ने जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में इंदौर क्षेत्र में 13 बार ऐसी घटनाएं हुई हैं, जब पतंग के साथ चायनीज मांझा ट्रांसमिशन लाइन के संपर्क में आया, जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित हुई, बल्कि ट्रांसमिशन लाइनें क्षतिग्रस्त भी हुईं। रोको-टोको अभियान के तहत, एम.पी. ट्रांसको ने इंदौर के उन क्षेत्रों को चिन्हित किया है जहाँ बहुतायत में पतंग उड़ाई जाती हैं। इन संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों से व्यक्तिगत संपर्क स्थापित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए पोस्टर, बैनर और पी.ए. सिस्टम के माध्यम से भी लोगों को सचेत और सतर्क किया जाएगा, ताकि जान-माल की हानि रोकी जा सके और उपभोक्ताओं को व्यापक क्षेत्र में बिजली के अनावश्यक लंबे व्यवधान का सामना न करना पड़े। दरअसल, चायनीज मांझा, जो कि सामान्य सूती धागे से अलग होता है।

ब्राह्मणो का प्रदर्शन

आईएएस संतोष वर्मा की अभद्र टिप्पणी को लेकर ब्राह्मण समाज ने आज वल्लभ भवन के सामने प्रदर्शन किया। प्रदेश सरकार से संतोष वर्मा पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

भावांतर योजना में सोयाबीन का मॉडल रेट 4207 रुपए जारी

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए मॉडल रेट नियमित रूप से जारी किया जा रहा है। गुरुवार 11 दिसंबर को 4207 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी। मॉडल रेट और न्यूनतम समर्थन मूल्य के भावांतर की राशि राज्य सरकार द्वारा दी जा रही है। सोयाबीन का पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 27 नवंबर को 4252 रुपए, 28 नवंबर को 4260 रुपए, 29 नवंबर को 4240 रुपए और 30 नवंबर को 4237 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया था।

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भारतीय जनता युवा मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर के पदभार ग्रहण समारोह में भोपाल पधारने पर सभी युवा साथियों के साथ रेत घाट चौराहा पर स्वागत किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अजय पाटीदार,जिला उपाध्यक्ष अवनी शर्मा,मंडल अध्यक्ष इंजी.भरत यादव, लोकेश शर्मा सहित सभी युवा साथी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के संकल्प को साकार करने का माध्यम : मंत्री परमार

भोपाल, सांध्यप्रकाश। भारत की ज्ञान परम्परा प्राचीन काल से ही सर्वश्रेष्ठ रही है। भारत की अपनी समृद्ध शिक्षा पद्धति थी। नालन्दा विश्वविद्यालय में संपूर्ण विश्व के लोग अध्ययन करने आते थे। भारत शिक्षा एवं स्वास्थ्य सहित हर क्षेत्र में विश्वमंच पर सिरमौर था, विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। संपूर्ण विश्व के लोग हमारे यहां शिक्षा एवं स्वास्थ्य लाभ अर्जित करने आते थे। अतीत के विभिन्न कालखंडों में योजनाबद्ध तरीके से, भारत की समृद्ध ज्ञान परम्परा को दूषित कर, हीन भावना भरने का कुत्सित प्रयास किया गया। भारत की अपनी समृद्ध ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, इस भ्रांति और हीन भावना से मुक्त होने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने अपने पुरुषार्थ, गौरवशाली इतिहास और पूर्वजों के ज्ञान से प्रेरणा लेकर, पुनः भारत केंद्रित शिक्षा के माध्यम से, राष्ट्र के पुनर्निर्माण का सौभाग्यशाली अवसर दिया है। हमें गर्व के भाव के साथ भारतीय दृष्टि से हर क्षेत्र-हर विषय में विद्यमान परम्परागत भारतीय ज्ञान को पुनः विश्वमंच पर स्थापित करना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020, राष्ट्रीय पुनर्निर्माण के संकल्प को साकार करने का सशक्त माध्यम है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में, भारतीय ज्ञान परम्परा का पाठ्यक्रमों में समावेश किया जा रहा है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष समाज, राष्ट्र और विश्व के कल्याण के लिए तैयार करती है। दीक्षारम्भ, भारत की प्राचीनतम ज्ञान परम्परा है, जो विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास, चरित्र निर्माण एवं आत्मबोध के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा

कि हमारे पूर्वजों ने पेड़, नदी, जल, सूर्य सहित समस्त प्राकृतिक ऊर्जा स्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से, कृतज्ञता के भाव के साथ समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित परंपरा स्थापित की थी। यह कृतज्ञता का भाव, भारत की सभ्यता एवं विरासत है। पूर्वजों के इसी स्थापित परंपरागत ज्ञान के आधार पर, स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत पुनः विश्वमंच पर सिरमौर बनेगा। भारत वर्ष 2047 तक, खाद्यान्न एवं ऊर्जा के क्षेत्र में न केवल आत्मनिर्भर बल्कि विश्व के अन्य देशों की पूर्ति करने में सामर्थ्यवान बनेगा। इसके लिए हम सभी की संकल्पित सहभागिता एवं पुरुषार्थ की आवश्यकता है।युवाओं को हीन भावना से मुक्त होकर, भारत के कृतित्व एवं ज्ञान पर गर्व का भाव जागृत करने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि संपूर्ण विश्व एक परिवार है, यह भारत का मूल मंत्र हैं। वसुधैव कुटुंबकम् के इस भारतीय दृष्टिकोण के साथ भारत विश्वमंच पर सिरमौर बनने की ओर अग्रसर है। मंत्री श्री परमार ने विश्वविद्यालय परिसर में नवसृजित नक्षत्र वाटिका, नवग्रह वाटिका एवं पंच-पल्लव वाटिका का शुभारम्भ कर वाटिका में तुलसी का पौधा रोपित किया। मंत्री श्री परमार ने विश्वविद्यालय परिसर में फार्मेसी विभाग द्वारा संचालित इंटरप्रेन्योर केंद्र का अवलोकन कर, वहां निर्मित उत्पादों के विद्यार्थियों द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा के शोध आधारित लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन कर, उनके नवाचारों की जानकारी प्राप्त की और उनका उत्साहवर्धन किया।

मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने गुरुवार को भाभा विश्वविद्यालय में, नवप्रवेशित विद्यार्थियों के दीक्षारम्भ के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर कही। मंत्री श्री परमार ने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिये शुभकामनाएं दी। उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि 'दीक्षारम्भ '; भारत की समृद्ध प्राचीन ज्ञान परम्परा है, जो विद्यार्थी के जीवन के सभी आयामों को परिपूर्ण बनाकर

संपादकीय

भारत यात्रा की तो...?

आखिरी समय में अमेरिका ने भारत में इस महीने यानि दिसंबर में होने वाले इंटरव्यू अगले साल मार्च-अप्रैल तक टाल दिए हैं। इससे कई वीजाधारकों की अमेरिका वापसी अटक गई है। इमिग्रेशन वकीलों ने एच-1बी वीजा होल्डर्स को सलाह दी है कि वे भारत की यात्रा ना करें। एक्सपर्ट का कहना है कि एच-1बी वीजा होल्डर्स के यात्रा करने से उनकी नौकरी खतरे में आ सकती है। ऐसे में उनको बहुत एहतियात से कदम उठाने की जरूरत है।

असल में, अमेरिका के एच-1बी वीजा होल्डर भारतीयों को लेकर डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन लगातार कोई न कोई ऐसा आदेश जारी कर देता है, जिससे उनकी चिंता बढ़ जाती है। एक रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर में होने वाले वीजा इंटरव्यू टलने के चलते सैकड़ों भारतीय एच-1बी वीजाधारक मुश्किल में आ गये हैं। एक रिपोर्ट में इमिग्रेशन विशेषज्ञ राहुल रेड्डी ने चेताया है कि फिलहाल भारत की यात्रा करने वाले एच-1बी कर्मचारियों को नौकरी गंवानी पड़ सकती है और वे अपने परिवारों से बिछड़ सकते हैं। ऐसे में जब तक आपके पासपोर्ट पर वैध वीजा ना हो तब तक वीजा स्टैंपिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्रा ना करें।

अमेरिकी इमिग्रेशन फर्म रेड्डी न्यूमैन ब्राउन पीसी के संस्थापक पार्टनर राहुल रेड्डी के मुताबिक, नियोक्ता छह महीने एच-1बी पद खाली नहीं रख सकते। कई कंपनियां कानूनी लिहाज से अमेरिका के बाहर से काम की कानूनी अनुमति नहीं दे सकतीं। इसका मतलब है कि एच-1बी कर्मचारी अब यात्रा करेगा तो वह अपनी नौकरी पर वापस नहीं बल्कि बेरोजगारी की ओर लौट सकता है।

इमिग्रेशन अटॉर्नी रेबेका चेन का कहना है कि जिन लोगों को अभी तक ईमेल नहीं मिला है, उन्हें भी फिलहाल भारत की यात्रा स्थगित कर देनी चाहिए। जो लोग पहले से ही भारत में हैं और अमेरिका लौटने के लिए वीजा स्टैंपिंग की आवश्यकता रखते हैं, उनके पास अब इंतजार करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। इमिग्रेशन वकीलों के अनुसार, अमेरिका में फिर से प्रवेश करने के लिए वीजा स्टैंप का होना जरूरी है। इसलिए अगर कोई वीजा धारक पहले से ही अमेरिका में है तो उसे वीजा स्टैंपिंग के लिए यात्रा करने से बचना चाहिए। इंटरव्यू के आगे बढ़ने से अमेरिका में काम करने वाले कई भारतीयों पर असर पड़ेगा, जो अपने वीजा स्टैंप का नवीनीकरण (रीन्यू) कराना चाहते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति उन लोगों के लिए विशेष रूप से चिंताजनक है, जो अपने परिवार के साथ भारत आना चाहते थे। वीजा प्रक्रिया में अप्रत्याशित देरी ना केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि पेशेवर करियर पर भी असर डाल सकती है। कई लोगों के सामने इस घटनाक्रम से नौकरी खोने का डर बढ़ गया है।

देखने में आ रहा है कि लगातार ट्रंप प्रशासन के निशाने पर सबसे ज्यादा भारतीय ही आ रहे हैं। इसके पीछे बड़ा कारण यह भी है कि अमेरिका में भारतीयों की बड़ी संख्या अच्छे पदों पर है। बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी भारतीय प्रोफेशनल्स की भरमार है। ट्रंप कई बार संकेत दे चुके हैं कि वो अमेरिका में भारतीयों का कब्जा कम करके रहेंगे। अमेरिका फर्स्ट का नारा भी वह लगातार दे रहे हैं।

माना जा रहा है कि अमेरिका की नई नीतियों और नये आदेशों का सबसे ज्यादा असर भारतीयों पर ही पड़ रहा है, लेकिन इससे केवल भारतीयों का नुकसान नहीं होगा, अमेरिका का भी होगा। अमेरिका की कंपनियों को सफलता के आसमान तक पहुंचाने में भारतीयों का योगदान ज्यादा रहा है। यदि भारतीयों को रोका जाता है, तो कहीं न कहीं उन कंपनियों पर भी विपरती असर पड़ना तय है।

डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में विकसित होता मध्यप्रदेश

- सुरेश पचौरी

मध्यप्रदेश में डॉ. मोहन यादव के नेतृ?व में गतिशील सरकार 13 दिसम्बर 2025 को अपने कार्यकाल के दो वर्ष पूरा कर रही है। इस अवधि पर एक विहंगम दृष्टि डालें तो स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि विगत 2 वर्षों में सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी नीतियों, सतत् संचालित विकास कार्यों तथा योजनाओं के लोक?यापीकरण से प्रदेशवासियों का दिल जीतने में काफी हद तक कामयाबी हासिल कर ली है। डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालने के ठीक बाद कहा था कि मेरी प्राथमिकताओं में समाज का वह सर्वहारा वर्ग प्रमुखता से शामिल है, जिसे सरकार से मदद की दरकार है और जिसने बड़ी आशा के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर लोकहितैषी सरकार बनाने में अपना अहम् योगदान दिया। उन?होंने यह भी कहा था कि हमारी सरकार जनता की भलाई की दिशा में इतने ज्यादा उल्लेखनीय कार्य करेगी, जिससे मध?यप्रदेश विकास का एक अनुकरणीय मॉडल बनेगा। फिलहाल डॉ. यादव अपने कथन को फलीभूत करने में अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ जी-जान से कटिबद्ध हैं। वे अपने उन सत्संकल्पों की प्रतिपूर्ति के लिए न सिर्फ शिद्दत के साथ लगे हुए हैं, बल्कि एक सदाशयी जननेता के रूप में मध?यप्रदेश को हर क्षेत्र में ऊंचाइयों की ओर ले जाने की पुरजोर काशिश कर रहे हैं।

आज मध्यप्रदेश में चतुर्दिक विकास का पहिया घूमता हुआ आपको नजर आएगा। चाहे बिजली का ज्यादा से ज?यादा उत्पादन हो, चाहे सड़कों का जाल बिछने का सिलसिला हो, चाहे सिंचाई योजनाओं का विस्तार हो, चाहे उद्योग धंधों की स्थापना हो या फिर हर गांव में पीने का साफ पानी पहुंचाने की नल-जल योजना हो अथवा सुदूर आदिवासी इलाकों में शिक्षा व इलाज की सुविधा उपलब्ध कराना हो, सरकार की ओर से आम आदमी को सुविधा तथा संसाधन उपलब्ध कराने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। गांव, कस्बा, नगर, शहर सर्वत्र नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ ही समस्या का निवारण हो रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से प्रदेश के लाखों अन्नदाता किसान लाभान्वित हो रहे हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था नियंत्रण में है, अपराधों में कमी आई है, गांव-गांव स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाई जा रही अनेक योजनाएं तो देश के अन?य राज्यों के लिए नजीर बन चुकी हैं।

मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी द्वारा जो वादे चुनाव के दौरान किए गए थे वे पूरे किए जा रहे हैं। यद्यपि किसी भी सरकार के लिए 2 वर्ष का समय पर्याप्त नहीं माना जा सकता लेकिन डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार घोषणा पत्र में उल्लेखित एक-एक बिंदु को योजनाबद्ध तरीके से अमली जामा पहना रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि विभिन्न इलाकों में बंटे मध्यप्रदेश के प्रत्येक भू-भाग में समरस भाव से विकास कार्य किए जा रहे हैं। न किसी तरह का भेदभाव है, न किसी क्षेत्र की उपेक्षा। शासन का लक्ष्य समूचे मध्यप्रदेश का सर्वांगीण विकास कर उसे एक विकसित व आदर्श राज्य बनाने का है। मुख्यमंत्री जी ने तो सभी विधायकों से यहां तक कह दिया है कि आप अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए पूरे पाँच साल का प्लान बनाकर हमें दीजिए, हम उसे पूरा करने के लिए भरपूर राशि उपलब्ध कराएंगे। धन के अभाव में विकास कार्य बाधित नहीं होंगे। यह मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सदाशयता का परिचायक तो है ही, साथ ही प्रदेश की जनता से किए गए वादों को पूरा करने की उनकी सरकार की संकल्पबद्धता भी है।

शाश्वत सत्य है कि यदि सही नीति और अच्छी नीयत के साथ कुशल व संवेदनशील नेतृत्व हो तो उसके परिणाम बहुत सुखद होते हैं। मध्यप्रदेश को इस मामले में सौभाग्यशाली राज्य माना जा सकता है कि इसे जहां एक ओर देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन व वरदहस्त प्राप्त है तो दूसरी ओर है कर्मठ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कुशल नेतृत्व। प्रधानमंत्री जी को मुख्यमंत्री की नेतृत्व क्षमता पर पूरा भरोसा है और उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसका इजहार भी किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी अपने %मन की बात कार्यक्रम में कई बार मध?यप्रदेश की सम-सामयिक उपलब्धियों का जिक्र कर चुके हैं। यह तो एक बानगी है। मध्यप्रदेश में महिलाओं, किसानों, युवाओं, वंचितों, निराश्रितों एवं जरूरतमंदों की भलाई के साथ-साथ स्व-सहायता समूहों के उत्थान के लिए इतने काम हुए हैं, जो बेमिसाल हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कथन है कि प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत निर्माण के लिए ज्ञान गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के सम्मान की जो बातें की हैं, वे हमारी सरकार के लिए ब्रह्मय वाक्य है। इन्हीं चार आधार स्तंभों पर केन्द्रित समग्र विकास का रोडमैप मध्यप्रदेश में भी तैयार किया गया है और उसी दिशा में प्रदेश सरकार सेवारत है। प्रदेश सरकार गरीब कल्याण, युवा शक्ति, किसान कल्याण और नारी शक्ति मिशन लागू कर अंतिम पंक्ति के आखिरी व्यक्ति के कल्याण और उसके बेहतर भविष्य के निर्माण हेतु अवसर उपलब्ध करा रही है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की जो गंगा प्रवाहित हो रही है उससे मध्यप्रदेश भी अछूता नहीं है। श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में संचालित केन्द्रीय योजनाओं का मध्यप्रदेश को भरपूर लाभ मिल रहा है। केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण जनहितैषी योजनाओं के क्रियान्वयन से उनका लाभ पात्र हितग्राहियों को दिलाने में मध्यप्रदेश देश में लगातार अग्रणी बना हुआ है। जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी व ग्रामीण) आयुष्मान भारत योजना आदि।

विगत 2 वर्षों की महत्वपूर्ण उपलब्धियों की बात की जाए तो मध्यप्रदेश में भारत सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 46 हजार आवास से मध्यप्रदेश देश में प्रथम रहा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के तहत 8 लाख 64 हजार आवासों का कार्य पूर्ण हो चुका है। गरीब बंदी सहायता योजना का क्रियान?वयन करने वाला प्रथम राज?य बना है। प्रदेश में 80 लाख 52 हजार घरों तक नल कनेक?शन दिए गए। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में लगभग 85 लाख से अधिक हितग्राहियों को कुल 8 हजार 690 करोड़ से अधिक का लाभ प्रदान किया गया। प्रदेश के 82 लाख से अधिक किसानों को किसान सम्मान निधि की 1671.00 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया गया है। आयुष्मान निरामयम भारत योजनांतर्गत 3 लाख एक हजार 496 परिवारों के सदस्यों को चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। राज्य में मातृ शक्ति को मजबूत बनाने के लिए कई कदम उठाये गए हैं। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में 9.70 लाख गर्भवती महिलाओं का 512 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता उपलब?ध कराई गई।

मध्यप्रदेश में निवेश

भोपाल में पिछले दिनों ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता ने पूरे देश का ध्यान आकर्षित किया। इसके उद्घाटन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और समापन अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने मध्यप्रदेश को देश का अग्रणी विकसित राज्य बनाने के मुख्यमंत्री के अथक् परिश्रम और दृढ इच्छशक्ति की प्रशंसा की। प्रदेश के औद्योगिक विकास की दिशा में राज्य सरकार द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन अंतर्गत अब तक 8.57 लाख करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव धरातल पर आ चुके हैं। इसके अलावा मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह सहायता योजनांतर्गत 1 लाख 52 हजार 353 हितग्राहियों को सहायता राशि रुपए 83844.39 लाख दी गई।

सिंहस्थ - उज्जैन

मध?यप्रदेश सरकार के सामने आने वाले दिनों में उज्जैन में होने वाले सिंहस्थ पर्व को सुसम्पन्न कराने की एक बड़ी चुनौती है। इस धार्मिक समागम में देश विदेश से करोड़ों श्रद्धालु भाग लेते हैं। इसे निर्विघ्न व गरिमापूर्ण तरीके से संपन?न कराने के लिए राज्य सरकार ने कमर कस ली है। मुख?यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की बागडोर संभालते ही शासन-प्रशासन के अधिकारियों को सिंहस्थ महापर्व की तैयारियां करने के निर्देश दे दिए थे, ताकि सारे काम समय पर पूरे हो जाएं। इसके लिए यथासमय बजट का आवंटन किया गया। वर्ष 2025-26 में सिंहस्थ 2028 के लिए 67 आवासीय भवन के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई। सिंहस्थ के अवसर पर दुनिया भर से उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं तथा तीर्थयात्रियों को किसी तरह की तकलीफ न होने पाए, इसके लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां चल रही है। प्रदेश की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा धार्मिक पहचान रखने वाले प्रमुख स्थानों के साथ ही पर्यटन स?थलों को विकसित किया जा रहा है। प्रदेश के चित्रकूट, उज्जैन, ओंकारेश्वर, महेश्वर, ओरछा, मैहर आदि स्थानों को उनके प्राचीन गौरव, वैभव और गरिमा के अनुसार सजाया-संवारा जा रहा है। मध्यप्रदेश में द्रुत गति से विकास के काम जारी हैं। श्रीराम वन गमन पथ श्रीराम के कर्तव्य पालन और राष्ट्र निर्माण का समर्पण संपूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का आधार देगा। साथ ही राज्य शासन द्वारा उन सभी स्थानों को तीर्थ के रूप में विकसित किया गया है, जहाँ श्रीकृष्ण के स्मृति चिन्ह विराजमान हैं।

मध्यप्रदेश में नक्सल समस्या

मध्यप्रदेश में नक्सल मोर्चे पर सबसे बड़ी कामयाबी दर्ज की गई है। मध?यप्रदेश में 2.36 करोड़ रुपए के इनामी 10 हार्डकोर नक?सलियों ने एके-47 समेत आई.एन.एस.ए.एस. राइफल, एस.एल.आर. और सिंगल शॉट गन जैसे घातक हथियारों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सामने सरेंडर किया है।

निस्संदेह, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत?व में मध्यप्रदेश सरकार प्रदेशवासियों के हितों के मद्देनजर तमाम लोककल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से निष्ठापूर्वक राजधर्म निभा रही है तथा एक लोकप्रिय सरकार बनने की दिशा में निरंतर कदम ब?ा रही है। भौगोलिक दृष्टि से देश के इस बड़े राज?य के सामने जहां तमाम चुनौतियां हैं, वहीं जनता की अनगिनत अपेक्षाएं भी हैं। सरकार चुनौतियों से भी निपट रही है और जनापेक्षाओं को भी पूरा कर रही है। विकास सतत् चलने वाली प्रक्रिया है और आशा की जानी चाहिए कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश सरकार विकास के रथ को रुकने नहीं देगी। मध्यप्रदेश सरकार के उपलब्धियों भरे 2 वर्ष पूरे होने के अवसर यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और उनके मंत्रिमंडल के ऊर्जावान सहयोगियों, राज्य की प्रशासनिक टीम तथा प्रदेश की जागरूक जनता को हार्दिक बधाई।

(लेखक भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री हैं)

12 दिसंबर 1896 : सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता संग्राम सेनानी बाबा राघवदास का जन्म

क्राँतिकारियों का मिलन केन्द्र था आश्रम : रामप्रसाद बिस्मिल का स्मारक बनाया

रमेश शर्मा

संत राघवदास स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक , दार्शनिक और एक ऐसे आध्यात्मिक कार्यकर्ता थे। जिनका पूरा जीवन समाज की सेवा और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित रहा । उनका आश्रम क्राँतिकारियो और अहिसंक आँदोलनकारी दोनों की गतिविधि स्थल था । वे ऐसे साहसी संत थे जिन्होंने जेल से सुप्रसिद्ध क्राँतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल की अस्थियाँ लेकर अपने आश्रम में उनका स्मारक बनाया जिसे अंग्रेजों ने तोड़ा और इनकी गिरफ्तारी हुई ।

ऐसे क्राँतिकारी संत बाबा राघव दास जीका जन्म 12 दिसंबर 1896 को महाराष्ट्र पुणे नगर में हुआ था । इनके पूर्वज कोंकणस्थ ब्राह्मण थे और पुणे आकर बस गये थे । पिता श्री शेशप्पा उस क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यवसायी थे और माता श्रीमती गीता देवी आध्यात्मिक स्वभाव की महिला थीं । इनके बचपन का नाम राघवेन्द्र था। कुल छै भाई बहनों में ये सबसे छोटे थे लेकिन पाँच वर्ष की आयु में अकेले रह गये । क्षेत्र में प्लेग फैला और 1901 में परिवार के सदस्यों की मृत्यु हो गई । केवल दो बड़ी बहने बचीं थीं । दोनों विवाहित थीं और अपने अपने घरों में रहतीं थीं। बालक राघवेन्द्र ने दो वर्ष इन्ही बहनों के पास बिताएं और आरंभिक शिक्षा भी ली। बहनों के प्रयास से आगे की शिक्षा के लिये मुम्बई भेजा गया। उनका मन पढ़ाई में कम और विरक्ति में अधिक लगता था । वे बालपन से ही अपने विचारों एकाकी होते और अपने विचारों में खो जाते थे । 1913 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की और सदुरु की खोज में चल दिये । उन्होंने काशी, प्रयागराज अयोध्या आदि अनेक स्थानों की यात्रा की । ऐसे ही घूमते हुये देवरिया पहुँचे । यहाँ उनकी भेंट %मौनी बाबा% से हुई और आश्रम में रुक गये । युवा राघवेन्द्र की अंग्रेजी और मराठी अच्छी थी पर हिन्दी कमजोर । उन्होंने यहाँ रहकर हिंदी सीखी और %योगिराज अनंत महाप्रभु% से विधिवत दीक्षा ली । इन्होने ही नाम राघवेन्द्र से ÷राघवदास÷ रखा । फिर वे इसी नाम से जाने गये । युवा संत राघवदास ने अपनी कुशाग्रता योग्यता से विश्वासपात्र बने और अनंत महाप्रभु की गादी के उत्तराधिकारी भी बने। पीठ के उत्तराधिकारी बनकर भी उन्होंने गोरखपुर के समीप अपना आश्रम भी आरंभ किया । जिसका नाम अपने गुरू के नाम पर अनंत आश्रम रखा । उनके ये दोनों आश्रम सामाजिक जागरण और सामाजिक समरसता के लिये काम करते थे ।

1921 में गांधीजी गोरखपुर आये । राघव दास जी से मिलने अनंत आश्रम पहुँचे । गाँधी जी के आग्रह पर राघवदास जी समाज सेवा और सामाजिक समरसता अभियान के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में भी सहभागी बने । उनके सेवा कार्यों को देखकर गांधीजी ने कहा था कि ÷अगर राघवदास जैसे और संत उनके साथ शामिल हो जाएं तो भारत के लिए स्वतंत्रता हासिल करना आसान हो जाएगा÷। यद्यपि राघवदास जी का मन और विचार दोनों अंग्रेजो से पूर्ण मुक्ति का पक्षधर था लेकिन उन्हें गाँधी जी स्वदेशी एवं चरखा अभियान पसंद आया । वे आंदोलन से जुड़ गये । असहयोग आंदोलन में गिरफ्तार हुये और जेल भेजे गये । और इसके साथ ही उनकी जेल यात्राओं का मानों क्रम ही शुरु हो गया ।

बाबा राघवदास जी महत्वपूर्ण भूमिका चौरी चौरा काँड में सामने आई । असहयोग आँदोलन को कुचलने केलिये अंग्रेज पुलिस ने अंधाधुंध गोलियाँ चलाई। इससे अनेक आँदोलनकारी बलिदान हुये । इस घटना से पूरे क्षेत्र में रोष फैला और गुस्साई भीड़ ने थाने पर हमला बोल दिया । कुछ सिपाही मारे गये । घटना से व्यथित होकर गाँधी जी ने आँदोलन वापस ले लिया । गांधीजी द्वारा आँदोलन को वापस लेने से अंग्रेज सिपाहियों का मनोबल बढ़ा और दमनचक्र आरंभ हो गया । यह 4 फरवरी 1922 की है । चौरी चौरा काँड में 127 लोगों को आरोपी बनाया गया और फाँसी की सजा सुनाई गई । बाबा राघवदास जी ने इन्हे बचाने केलिये जमीन आसमान एक कर दिया । वे काँग्रेस के लगभग सभी नेताओं से भी मिले और अंग्रेज अधिकारियों से भी । बाबा जी ने पचास से अधिक आंदोलन कारियों की बेगुनाही के सुबूत प्रस्तुत किये और फाँसी से बचाया ।

अब राघवदास का आश्रम स्वतंत्रता सेनानियों और क्राँतिकारियों के आश्रय का एक प्रमुख स्थान बन गया था। अनेक क्राँतिकारियों ने अपना अज्ञातवास भी उनके आश्रम में बिताया । बाबा राघवदास जी की सर्वाधिक निकटता क्राँतिकारी रामप्रसाद बिस्मिल से रही । पंडित रामप्रसाद बिस्मिल काकोरी कांड के नायक थे । उन्हे 19 दिसंबर 1927 को गोरखपुर जेल में फांसी दी गई थी। बिस्मिल की अंतिम इच्छा थी कि उनका अंतिम संस्कार बाबा राघवदास जी की देखरेख में हो। बाबा राघवदास गोरखपुर जेल गए और बिस्मिल जी की पार्थिव देह का अंतिम संस्कार कराया । बाबाजी बिस्मिल की चिता से राख और अस्थियाँ समेटकर अपने आश्रम ले आए। बिस्मिल की स्मृति में यहाँ एक समाधि का निर्माण कराया । समाधि निर्माण से पूरे क्षेत्र में आँदोलन को गति मिली । यह खबर जब अंग्रेजी शासन को लगी तो शासन बौखलाया और कलेक्टर कैप्टन मूर ने समाधि तु?वा दी । राघवदास जी बंदी बना लिये गये । कुछ समय बाद रिहाई तो बाबा राघवदास ने पुनः समाधि स्थल को संरक्षित किया । स्वतंत्रता के बाद यह समाधि पुनः बनी और 1980 में इसका जीर्णोद्धार हुआ । अब यहां पं रामप्रसाद बिस्मिल की भव्य प्रतिमा स्थापित है।

समय के साथ आसपास के क्षेत्र में भी आश्रम स्थापित हुये । उनका प्रमुख उद्देश्य समाज को शिक्षित, जागरुक और संस्कारित बनाना था । भेदभाव और छुआछूत मिटाने के लिये भी वे और उनकी पूरी शिष्य मंडली सक्रिय रहती ।

1928 में गाँधी जी पुनः गोरखपुर आये और आश्रम भी गये । आश्रम में गाँधी जी ने एक सभा को संबोधित किया ।

स्वतंत्रता के बाद वे कुछ समय सक्रिय राजनीति में आये । और कांग्रेस सोशलिस्ट पार्टी के नरेंद्र देव को 1312 वोटों से हराकर विधायक बने । जब सरकार ने कोल्हू से संचालित तेल मिलों पर कर लगाया तो राघवदास ने इसे गरीबों का उत्पीड़न माना और टैक्स वापस लेने की माँग की । जब बात न बनी तो विधायकी से त्यागपत्र देकर सीधे जन आंदोलन केलिये मैदान में आ गये । तेज आँदोलन किया और अंततः सरकार को कोल्हू पर लगा कर समाप्त करना पड़ा ।

स्वतंत्रता के बाद अपनी सामाजिक गतिविधियों के अंतर्गत वे आचार्य विनोबा भावे द्वारा आरंभ किए गए भूदान आंदोलन से भी जुड़े ।

पर भूदान आंदोलन में उनकी सहभागिता अधिक न रह सकी । उनका मानना ??था कि स्वतंत्रता प्राप्त करना जितना कठिन होता है उतनी ही साधना स्वतंत्रता को दीर्घकालिक बनाने के लिये होती है । इसके लिये समाज का शिक्षित और जागरूक होना आवश्यक है । इसके लिये उन्होंने देवरिया , बरहज और कुशीनगर में शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना की । शिक्षा के साथ सामाजिक समरसता, स्वच्छता और स्वास्थ्य रक्षा पर बहुत जोर देते थे । आश्रम परिसर में भी श्रीकृष्ण इंटर कॉलेज और सरोजिनी बालिका विद्यालय के साथ-साथ एक संस्कृत कॉलेज स्थापित किया। गोरखपुर और मैरवा बिहार में एक कुष्ठ रोग चिकित्सा केन्द्र की स्थापना की। इस प्रकार अपना पूरा जीवन राष्ट्र समाज और संस्कृति के लिये समर्पित करने वाले संत बाबा राघवदास जी ने 15 जनवरी 1958 को मध्यप्रदेश के जबलपुर अपनी देह त्यागी । उनके शिष्य परंपरा ने देश भर के विभिन्न स्थानों में आश्रम स्थापित किये और समाज सेवा का काम अनवरत रखा । स्वामी का आश्रम उन विरले स्थानों में से एक है जहाँ गाँधी जी, पंडित मदनमोहन मालवीय और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक गोलवलकर जी जैसी स्वनामधन्य विभूतियाँ समय समय गयीं । उनका आश्रम युवकों के लिये आदर्श तब भी था और आज भी है ।

यूनेस्को ने दीपावली को विश्व धरोहर घोषित किया

ललित गर्ग

यूनेस्को द्वारा दीपावली को अमूर्त विश्व धरोहर घोषित किया जाना भारत की सांस्कृतिक चेतना का ऐसा महत्त्वपूर्ण क्षण है, जो न केवल भारतीयों को गौरवान्वित करता है बल्कि यह सिद्ध करता है कि भारतीय सभ्यता की आत्मा आज भी मानवता का मार्गदर्शन करने की क्षमता रखती है। दीपावली मात्र एक त्योहार नहीं, बल्कि जीवन, आत्मा, संबंध, समरसता और विश्वबंधुत्व का प्रकाशग्रंथ है। यह वह विरासत है जो हजारों वर्षों से मानव को अंधकार से प्रकाश, अज्ञान से ज्ञान, ईर्ष्या से प्रेम और भय से विश्वास की यात्रा पर ले जाती रही है।

दीपावली की महिमा को समझना अर्थात भारतीय संस्कृति की गहराई को समझना। यह संस्कृति केवल मंदिरों, शास्त्रों, उत्सवों और अनुष्ठानों में नहीं बसती, बल्कि मनुष्य की स्मृति, संवेदना, आस्था और जीवन व्यवहार में प्रवाहित होती है। इसीलिए इसे 'अमूर्त' कहा जाता है, क्योंकि यह मूर्त नहीं, परंतु सबसे अधिक जीवंत है। दीपावली इसी जीवंतता का सर्वोच्च उत्सव है।

जब अयोध्या की रामपै?ी पर 26.17 लाख दीपकों ने एक साथ जगमग कर दुनिया को चमत्कृत किया, तब वह दृश्य सिर्फ दीयों का समुद्र नहीं था, बल्कि भारत की सांस्कृतिक रोशनी का वैश्विक उद्घोष था, एक ऐसा उद्घोष जिसने दुनिया को यह विश्वास कराया कि भारत की परंपराएं आज भी सार्वभौमिक प्रेरणा शक्ति हैं। यूनेस्को का निर्णय इसी चमत्कार की परिणति है।

दीपावली के केंद्र में केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि जीवन का दर्शन है। यह पर्व मनुष्य को याद दिलाता है कि हर कठिनाई, हर पी?ा, हर अंधकार के भीतर एक दीप जलने की संभावना छिपी होती है। हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख परंपराओं में दीपावली का अलग-अलग महत्व है, मगर संदेश एक ही है, प्रकाश का मार्ग ही मानवता का मार्ग है। यही अखंड संदेश अब विश्व स्तर पर मान्यता पा रहा है।

भारत की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरें सदैव मानव-कल्याण की प्रेरक रही हैं। कुंभ, वैदिक मंत्रोच्चार, रामलीला, योग, दुर्गा पूजा जैसी परंपराएँ पहले से विश्व धरोहर सूची में शामिल रही हैं। दीपावली के जु?ने से यह सूची और उज्जवल हुई है। दीपावली यूनेस्को के उस उद्देश्य को पूर्ण रूप देती है जिसमें कहा गया है कि मानवता की सबसे ब?ी शक्तियाँ वे परंपराएँ हैं जो समय के साथ खो न जाएँ।

दीपावली भारतीय समाज की आर्थिक, सामाजिक और मानवीय संरचना को एक गहरा संदेश देती है। एक छोटा कुम्हार, जो अपने हाथों से दीए बनाता है, उसी दीये की रोशनी से करो?ें घर रोशन होते हैं। एक छोटे व्यापारी की दुकान भी दीपावली पर उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी एक ब?ी कंपनी की। यह त्योहार बताता है कि समाज प्रकाश तभी बनता है जब हर व्यक्ति के जीवन में रोशनी पहुंचे। इसीलिए यह उत्सव भारतीय सामुदायिक चेतना का उत्सव है, समता और समान अवसरों का उत्सव है।

दुनिया आज विभाजन, युद्ध, तनाव, भौतिक लालच और मानसिक अंधकार से जूझ रही है। ऐसे समय में दीपावली का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक है कि एक दीप की लौ किसी भी गहन अंधकार को चुनौती दे सकती है। भारत ने सदियों से दुनिया को यही बताया है कि नैतिक साहस, सद्भाव, शांति और आध्यात्मिक ऊर्जा ही सभ्यताओं को टिकाऊ बनाती है। दीपावली इस सत्य का प्रत्यक्ष प्रतीक है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधुनिक सोच और सांस्कृतिक कूटनीति ने भारत की इन अवधारणाओं को दुनिया के सामने नई ऊर्जा के साथ स्थापित किया है। योग की वैश्विक मान्यता हो, आयुर्वेद का उभार हो, रामायण सम्मेलन हों या भारतीय त्योहारों का अंतरराष्ट्रीयकरण, यह सब भारत की सॉफ्ट पावर की विजय है। दीपावली को यूनेस्को सूची में शामिल किया जाना इसी सॉफ्ट पावर की अगली खूबसूरत सी?ी है।

मोदी का वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र अब भारत की विदेश नीति ही नहीं, बल्कि विश्व-दृष्टि बन चुका है। इसी भावना ने जी20 से लेकर वैश्विक मंचों पर भारत की पहचान को मजबूत किया है। दीपावली का वैश्विक सम्मान इसी मंत्र का विस्तार है, क्योंकि यह त्योहार हर मानव को यह याद दिलाता है कि दुनिया एक है, पी?ा साझा है, और आनंद भी साझा होना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

मोबिलिटी और नई तकनीक क्षेत्रीय विकास के लिए आवश्यक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने उज्जैन के ग्राम नलवा में मोबिलिटी स्टेशन का भोपाल से वर्चुअली किया शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उज्जैन के ग्राम नलवा स्थित श्री गायत्री पेट्रोलियम- मोबिलिटी स्टेशन का मुख्यमंत्री निवास से वर्चुअली शुभारंभ किया। उन्होंने प्रतिष्ठान के संचालक श्री गोविंद सिंह आंजना को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष-2028 के सिहंस्थ और उज्जैन-इंदौर-देवास के सम्मिलित रूप से मेट्रोपॉलिटन एरिया के रूप में विकास से भविष्य का पश्चिमी मध्य प्रदेश आकर ले रहा है। क्षेत्र में रोड नेटवर्क और औद्योगिक गतिविधियों का तेजी से विकास और विस्तार हो रहा है। क्षेत्र की गतिशीलता को सुनिश्चित करने में फ्यूल और मोबिलिटी तथा नई तकनीक का महत्वपूर्ण योगदान है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री गायत्री मोबिलिटी स्टेशन, गुणवत्ता और सेवा भाव के साथ क्षेत्र की प्रगति में योगदान देगा। ग्राम नलवा में हुए कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जन उपस्थित थे।

साइबर अपराधों की जाँच सुदृढ़ करने हेतु दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

भोपाल। थानों में पदस्थ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की साइबर अपराधों में दक्षता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय/अपराध) श्रीमती मोनिका शुक्ला द्वारा आज दोपहर किया गया।

श्रीमती शुक्ला ने उद्घाटन अवसर पर बताया कि विगत वर्षों में साइबर अपराधों में अत्यधिक वृद्धि दर्ज की गई है। साइबर ठग भोली-भाली जनता की मेहनत की कमाई को निशाना बना रहे हैं, जिससे आमजन को आर्थिक हानि होने के साथ-साथ ऐसे मामलों का अनुसंधान पुलिस के लिए भी चुनौतीपूर्ण बन गया है।

उन्होंने कहा कि आधुनिक साइबर अपराधों के स्वरूप, तकनीकी पेचीदगियों और डिजिटल साक्ष्यों के विश्लेषण हेतु पुलिस कर्मियों का तकनीकी रूप से सक्षम होना अत्यंत आवश्यक है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नवीनतम साइबर ट्रेंड, डिजिटल फॉरेंसिक, ऑनलाइन धोखाधड़ी के तरीकों, सोशल मीडिया अपराधों तथा तकनीकी अनुसंधान की बारीकियों से अवगत कराएगा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को डीसीपी क्राइम श्री अखिल पटेल के द्वारा मार्गदर्शन दिया गया एवं साइबर क्राइम से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गयाद्य

प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न मॉड्यूल्स के माध्यम से व्यावहारिक एवं तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे साइबर अपराधों के सफल अन्वेषण में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेन्द्र सिंह चौहान ने साइबर अपराध से पीड़ित व्यक्तियों के थाना डेस्क पर पहुँचने पर उनसे संवाद, जानकारी और त्वरित की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी दी।

भाजपा की तानाशाही का महापुरुषों के विचारों से मुकाबला करेंगे: नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार

आष्टा सांध्य प्रकाश। मध्यप्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यसमिति सदस्य तथा पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष कैलाश परमार ने भेंट कर वर्तमान परिवेश में राजनीति के अवमूल्यन तथा सत्तारू? भाजपा द्वारा की जा रही लोकतंत्र विरोधी गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की।

पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने जन सरोकार से जु? मुद्दे विधानसभा में मुखरता से उठाने पर नेता प्रतिपक्ष को साधुवाद देते हुए कहा कि कांग्रेस की राजनीति भारत के सांस्कृतिक गौरव , इतिहास के सबक और लोक परम्पराओ पर आधारित है। हमारे ऋषि मनीषियों और महापुरुषों के साथ ही स्वतंत्रता आंदोलन के नेताओं ने आम आदमी की जरूरतों और उसकी भौतिक और मानसिक स्थिति के अनुरूप ही इस देश को संवैधानिक व्यवस्था दी है. जिसे नष्ट करने का प्रयास भाजपा द्वारा किया जा रहा है। उमंग सिंगार से चर्चा के दौरान कैलाश परमार ने आष्टा विधानसभा और भोपाल विदिशा तथा देवास संसदीय क्षेत्र की राजनीतिक और प्रशासनिक स्थिति पर भी महत्वपूर्ण चर्चा की । इस अवसर पर कैलाश परमार ने उमंग सिंगार को जैनाचार्य विद्यासागर महाराज का साहित्य भेंट करते हुए कहा कि हमारी कांग्रेस की नीतियों पर महापुरुषों के कृतित्व और विचारों का गहरा प्रभाव रहा है. आचार्य श्री की सोच और प्रेरणा का असर सामाजिक कल्याण, जीवन शैली में आत्मनिर्भरता, स्वाध्याय, सेवा-भाव और लघु उद्योगों जैसे हथकरघा, ग्राम-समुदाय में जागरूकताके समर्थन जैसे विषयों पर दिखता है।

उनके उपदेशों, प्रेरणाओं और सामाजिक प्रेरक कार्यों से स्पष्ट है कि वे स्वावलंबन, सेवा, जीवन कल्याण और स्थानीय समुदाय में विकास की प्रेरणा देते थे। शिक्षा स्वास्थ्य-समाज सेवा के काम भी उनकी प्रेरणा से हुए हैं।

हवाई सेवा शुरू होने से विंध्य क्षेत्र को लगेंगे पंख : उप मुख्यमंत्री

22 दिसम्बर से प्रारंभ हो रही इंदौर-रीवा हवाई सेवा के लिये विंध्यांचल सोशल ग्रुप ने जताया आभार

भोपाल , सांध्यप्रकाश। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल गुरूवार इंदौर पहुंचकर रेसीडेंसी कोठी में विंध्य क्षेत्र के नागरिकों से मिले। विंध्यांचल सोशल ग्रुप के सदस्यों ने उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल का इंदौर-रीवा हवाई सेवा प्रारंभ करने के लिये पुष्पगुच्छ प्रदान कर आभार जताया। इस अवसर पर शुक्ल ने विंध्यांचल सोशल ग्रुप की वेबसाइट का शुभारंभ भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि आगामी 22 दिसम्बर से इंदौर-रीवा हवाई सेवा प्रारंभ की जा रही है। इस सेवा के प्रारंभ होने से विंध्य क्षेत्र के इंदौर में निवासरत हजारों नागरिकों को बेहतर सुविधा मिलेगी। विंध्य क्षेत्र के सतना, सीधी, शहडोल, मऊगंज आदि क्षेत्रों के नागरिक व्यापार, व्यवसाय एवं शिक्षा की दृष्टि से इंदौर आते हैं। आज यहां करीब एक लाख लोग विंध्य क्षेत्र के निवासरत हैं। हवाई सेवा शुरू होने से उन्हें यह सुविधा मिलेगी। इंदौर-रीवा हवाई सेवा शुरू होने के बाद विंध्य के नागरिक इंदौर विमानतल से मुंबई, दिल्ली, जयपुर, अहमदाबाद, बैंगलोर आदि शहरों के लिए जा सकते हैं। श्री शुक्ल ने कहा कि पिछले दिनों ही रीवा से दिल्ली के लिये हवाई सेवा शुरू की गई है। जिसका बेहतर प्रतिसाद मिल रहा है। विंध्य क्षेत्र का विकास अब और तेजी गति से होगा। वहां पर अभ्यारण्य, बांध, जलप्रपात आदि बन जाने के कारण इस क्षेत्र में विकास ने एक नई करवट ली है। रीवा में अधिकांश रोड फोरलेन और सिक्सलेन है। रीवा स?क, रेल मार्ग और अब हवाई मार्ग से जु?ने के कारण यहां विकास और तेज गति से होगा।

विंध्यांचल सोशल ग्रुप ने उप मुख्यमंत्री से मांग की कि वर्तमान में इंदौर से रीवा के लिये चल रही ट्रेन को नियमित किया जाये। इंदौर में विंध्य भवन हेतु भूमि आवंटित की जाये। सिंगरोली से भोपाल चलने वाली ट्रेन को इंदौर तक बढ़ाया जाये। इस मौके पर ग्रुप के अध्यक्ष आर.पी. शर्मा, सचिव श्री दिलीप मिश्रा सहित बड़ी संख्या में विंध्य क्षेत्र के नागरिक उपस्थित थे।

मुस्कान भरी जनसुनवाई-बुजुर्ग ने कलेक्टर से कहा- मुझे साहब से ही मिलना है

दतिया सांध्य प्रकाश। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में एक ऐसा सहज और मानवीय क्षण सामने आया, जिसने पूरे कक्ष के माहौल को हल्का, आत्मीय और मुस्कान से भर दिया। पेंशन संबंधी समस्या लेकर पहुंचे एक बुजुर्ग नागरिक ने जब अधिकारी से कहा कि उनका काम यहीं निपटा दिया जाएगा, तो वे मुस्कुराए और विनम्रता से बोले ड्ड ÷नहींज मुझे तो कलेक्टर साहब से ही मिलना है।÷ अधिकारियों ने उन्हें आश्वस्त किया कि सामने ही कलेक्टर मौजूद हैं और उनका कार्य तुरंत संपादित किया जाएगा। लेकिन बुजुर्ग ने फिर मुस्कुराते हुए वही वाक्य दोहराया। उनकी मासूम जिद ने जनसुनवाई कक्ष में बैठे सभी लोगों के चेहरे पर अनायास ही एक स्नेहभरी मुस्कान ला दी। कलेक्टर ने स्वयं आगे बढ़कर बुजुर्ग से बात की, उनका आवेदन लिया और पेंशन से संबंधित कार्यवाही तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए। यह दृश्य न केवल प्रशासन की संवेदनशीलता को दर्शाता है, बल्कि इस बात को भी रेखांकित करता है कि जनता अब भी अपने प्रशासनिक मुखिया से एक उम्मीद, भरोसा और आत्मीय संबंध महसूस करती है। दतिया की इस जनसुनवाई का यह छोटा सा प्रसंग बताता है कि शासन की असली पहचान फ़ाइलों, आदेशों और औपचारिक प्रक्रियाओं से नहीं, बल्कि ऐसे मानवीय संवादों से बनती है जो सीधे दिलों तक पहुंचते हैं।

निःशुल्क कृत्रिम अंग के चिन्हांकन के लिये जिला स्तर पर शिविर 15 दिसंबर को

छिन्दवाड़ा, सांध्य प्रकाश। भारत सरकार के कोल मंत्रालय वेस्टर्न कोल फील्डस लिमिटेड के अधीन निगमित सामाजिक दायित्व (सी.एस.आर.) योजना के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले में दिव्यांगजनों को निःशुल्क कृत्रिम अंग के चिन्हांकन के लिये जिला स्तर पर 15 दिसंबर 2025 को, जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र छिंदवाडा में शिविर का आयोजन किया गया है। इस संबंध में डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी उप संचालक सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण पुष्पेन्द्र निगम ने आयुक्त नगरपालिक निगम छिंदवाड़ा, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगरपालिका/ नगर परिषद के सभी संबंधित अधिकारियों से अपने निकाय क्षेत्र के अन्तर्गत निवासरत ऐसे दिव्यांग, जिन्हें कृत्रिम पैर एवं कैलिपर्स की आवश्यकता है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 को जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, मोहबे मार्केट, प्रताप शाला स्कूल में आवश्यक दस्तावेजों के साथ उपस्थित कराने का आग्रह किया है।

आजीविका स्वाद संगम दीदी कैंटीन का राजनगर तहसील परिसर में हुआ शुभारंभ

छतरपुर, सांध्य प्रकाश। म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला छतरपुर के राजनगर तहसील प्रांगण में आजीविका स्वाद संगम दीदी कैंटीन का शुभारंभ राजनगर विधायक अरविंद पटेरिया के मुख्य आतिथ्य में गुरुवार को सुंदरकांड पाठ के साथ किया गया।जिला परियोजना प्रबंधक श्याम गौतम ने बताया कि कलेक्टर पार्थ जैसवाल और जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया के नेतृत्व में विभिन्न शासकीय परिसरों में आजीविका मिशन के माध्यम से आजीविका स्वाद संगम दीदी कैंटीन की स्थापना की जा रही है। गत वर्ष जनवरी में एस.पी. ऑफिस में कैंटीन स्थापित की गई थी जो सफल रूप से संचालित है। अब राजनगर तहसील में स्थापित की गई है। पदम सी.एल.एफ के द्वारा स्थापित उक्त कैंटीन का संचालन साईं बाबा स्वसहायता समूह पहा?ी बावन द्वारा किया जा रहा है। लगभग 10 लाख की लागत से स्थापित उक्त कैंटीन हेतु मिशन से 5.69 लाख स्वीकृत किए गए हैं शेष राशि का इंतजाम समूह सदस्यों ने स्वयं के अंशदान और बैंक ऋण के माध्यम से किया है। संचालन हेतु समूह की तीन महिलाओं को होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट भोपाल से 15 दिन का प्रशिक्षण भी कराया गया है। मुख्य अतिथि के संदेश के रूप में क्षेत्रीय विधायक अरविंद पटेरिया ने कहा कि प्रधानमंत्री की संकल्पना है कि समाज मे आय के समस्त क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी होनी चाहिए। उसी संकल्पना को साकार करने के लिये प्रदेश के मुख्यमंत्री निरंतर प्रयासरत हैं। शासकीय परिसरों में प्रतिदिन हजारों लोग अपने कार्य के लिए आते हैं उन्हें इस कैंटीन से उचित दर पर नाश्ता और भोजन सामग्री मिल सकेगी और स्वसहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार मिल सकेगा।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवरेज दिवस 12 दिसंबर, योग, मानसिक स्वास्थ्य और समग्र चिकित्सा का वैश्विक संदेश

स्वास्थ्य - मानव जीवन का आधार, फिर भी सबसे अधिक उपेक्षित

महेश अग्रवाल

व्यक्ति के मनोविकार, निराशाएँ और भावनाएँ ही बीमारी की जड़ हैं। योग अभ्यास से अतिरिक्त प्राणशक्ति मिलती है, मन संतुलित होता है और स्वास्थ्य अपने सर्वोत्तम रूप में प्रस्फुटित होता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवरेज दिवस हर वर्ष 12 दिसंबर को स्वास्थ्य पर वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। इसका मूल अर्थ यही है कि दुनिया के हर व्यक्ति को बिना आर्थिक संकट में पड़े, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ उपलब्ध हों। परन्तु केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य भी आज सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। आज के दौर में मनोविकार, निराशाएँ, अवसाद, चिंता, भय और असंतुलित भावनाएँ - मनुष्य को भीतर से कमजोर कर रही हैं। आधुनिक मनुष्य बाहर से चाहे जितना विकसित दिखे, भीतर से वह पहले से अधिक तनावग्रस्त, अकेला और असुरक्षित है। ऐसे समय में योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि समग्र चिकित्सा, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति का विज्ञान बनकर उभरता है।

बीमारी - शरीर में अनुभव, परंतु अस्तित्व मन में योग गुरु महेश अग्रवाल बताते हैं कि बीमारी एक ऐसी दशा है जिसका अनुभव शरीर में किया जाता है, पर इसका वास्तविक अस्तित्व मन में होता है। योगशास्त्र के अनुसार बीमारी पहले मन - प्राण - बुद्धि के सूक्ष्म स्तर पर जन्म लेती है। मन की अशांत तरंगें, नकारात्मक भावनाएँ, दबी हुई स्मृतियाँ, तनाव और भय - धीरे-धीरे प्राणशक्ति को कमजोर करते हैं, नाड़ी तंत्र असंतुलित होता है और अंततः बीमारी रूप लेकर शरीर पर दिखाई देती है। योग का दृष्टिकोण स्पष्ट है - जब मन तनावग्रस्त होता है, शरीर बीमार होता है। जब मन संतुलित होता है, शरीर स्वस्थ होता है। जब मन शांत और स्थिर होता है, शरीर अपने आप रोगों को दूर करने लगता है। इसीलिए योग में कहा गया है - मन एव मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः मन ही बंधन का कारण है और वही मुक्ति का।

आधुनिक जीवन और बढ़ती मानसिक बीमारियाँआज बहुत तेजी से बढ़ रही हैं -मानसिक अवसाद, चिंता, हिस्टीरिया, डिमेंशिया, फोबिया, ओसीडी, पैनिक डिस्ऑर्डर, नींद संबंधी विकार कोरोना काल के बाद इन समस्याओं में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। सोशल डिस्टेंसिंग, आइसोलेशन, निराशा और असुरक्षा ने मानसिक भार को कई गुना बढ़ा दिया। आधुनिक समाज में मानसिक दबाव, प्रतिस्पर्धा, अकेलापन और इच्छाओं का बोझ इतना बढ़ गया है कि मनुष्य मनोवैज्ञानिक रूप से टूटने के कगार पर खड़ा है।

स्वास्थ्य नियमों की अनदेखी - बीमारियों का बड़ा कारण योग गुरु अग्रवाल बताते हैं कि सभी रोग - चाहे पाचन, रक्त परिसंचरण या स्नायु संबंधी - असावधानी और स्वास्थ्य नियमों की अनदेखी से ही पैदा होते हैं। आज अनियमित दिनचर्या, जंक फूड, व्यायाम का अभाव, रात भर मोबाइल, सामाजिक कटाव, तनावपूर्ण जीवनशैली बीमारियों की मुख्य जड़ें हैं। रोग पहले मन में प्रकट होते हैं, फिर शरीर में विकसित होते हैं।

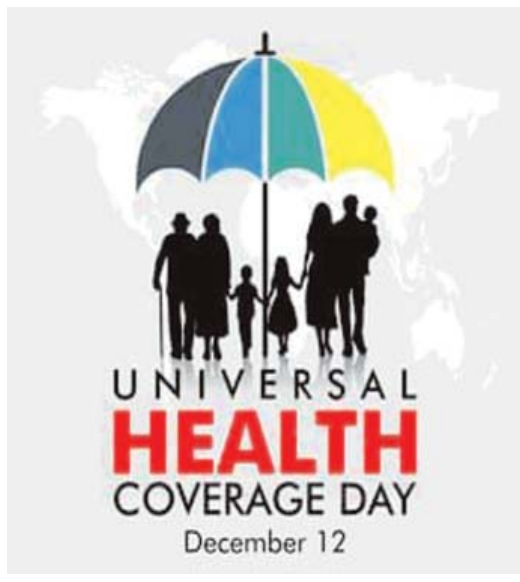

योग - आधुनिक रोगों की सबसे प्रभावी चिकित्सा आधुनिक युग की नई बीमारियों - तनाव, अवसाद, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, अनिद्रा, थकान - में दवाएँ केवल लक्षण दूर करती हैं, कारण नहीं। जबकि योग कारण को समाप्त करता है, क्योंकि वह शरीर - मन - प्राण - तीनों को संतुलित करता है। योग के प्रमुख उपचारात्मक आयाम - आसन - शरीर की ऊर्जा प्रवाह को संतुलित करते हैं। रक्त संचार सुधारते हैं। मांसपेशियों में जमा विषैले तत्व बाहर निकालते हैं। प्राणायाम - प्राणशक्ति बढ़ाते हैं। तनाव हार्मोन (कोर्टिसोल, एड्रेनालिन) कम करते हैं। मस्तिष्क में शांति लाते हैं। योग गुरु महेश कहते हैं - योग अभ्यास से अतिरिक्त प्राणशक्ति प्राप्त होती है। शुद्धि क्रियाएँ (षट्कर्म) पेट, आहारनली, श्वासनली आदि की आंतरिक सफाई। शरीर में संचित टॉक्सिन्स को बाहर निकालना। ध्यान (मेडिटेशन) मानसिक शक्ति को भीतर की ओर मोड़ना। विचारों की अशांत गति को धीमा करना। भावनाओं को शुद्ध और स्थिर करना। योगनिद्रा - तनाव को नाड़ियों से बाहर निकालती है। सम्पूर्ण मानसिक विश्राम देती है। अवचेतन मन की अशुद्धियों को समाप्त करती है।

रोगी के उपचार में सहानुभूति - सबसे बड़ी चिकित्सा योग गुरु महेश अग्रवाल बताते हैं - हर रोगी उपचार में सहयोग से अधिक, सहानुभूति का भूखा होता है। दवाएँ केवल शरीर का इलाज करती हैं, लेकिन प्यार, सेवा और भावनात्मक सुरक्षा मन का इलाज करती है। रोगी को हँसमुख रखना, उसके भीतर आशा और विश्वास जगाना, उसकी भावनाओं को समझना, प्रेम से सेवा करना। यह सब उसके स्वास्थ्य को तेजी से सुधारता है।

मन का स्वास्थ्य - अनुशासन संयम स्वतंत्रता मनुष्य में तीन रूप छिपे हैं - पशु, मानव, देवत्व। यह मन ही तय करता है कि कौन-सा रूप सक्रिय होगा। एक अप्रशिक्षित मन आवारा घोड़े की तरह है - अशांत, असंयमित, दिशाहीन और विनाशकारी। मन को स्वतंत्र करने से पहले अनुशासित करना आवश्यक है।योग गुरु महेश कहते हैं - मन प्रशिक्षित होगा तो वह शक्ति बनेगा। मन अप्रशिक्षित होगा तो विनाश लाएगा। योग के अभ्यास से मन - शांत संयमित जागरूक स्थिर सकारात्मक बनता है।

तनाव के तीन रूप - और समाधान तनाव तीन प्रकार के होते हैं - स्नायविक तनाव - अधिक परिश्रम या अत्यधिक निष्क्रियता से। उपाय - विश्राम, हल्की योग क्रियाएँ, गहरी श्वास। मानसिक तनाव - अधिक सोचने, विश्लेषण, कल्पनाओं या भय से। उपाय - कर्मयोग, ध्यान, प्राणायाम। भावनात्मक तनाव - क्रोध, प्रेम-वियोग, असफलता, घृणा, ईर्ष्या से। उपाय - भक्तियोग, प्रार्थना, सत्संग।

सत्संग, आश्रम-जीवन और आध्यात्मिक चिकित्सा भारी तनाव में मनुष्य को बदलने के लिए कभी-कभी घर से दूर शांत वातावरण की आवश्यकता होती है - जैसे आश्रम। यह वह जगह है जहाँ - मन शांति पाता है। नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। सकारात्मक संगति (सत्संग) मिलती है। जीवन की नई दिशा मिलती है। जैसे गाड़ी की सर्विसिंग होती है वैसे ही मन की भी सर्विसिंग जरूरी है, जो केवल योग, सत्संग और आध्यात्मिकता से संभव है।

हार्मोन संतुलन - योग का वैज्ञानिक प्रभाव शरीर में कुछ हार्मोन तनाव बढ़ाते हैं - एड्रेनालिन, टेस्टोस्टेरॉन, कोर्टिसोल - योग इन हार्मोनों के स्राव को नियंत्रित कर मानसिक शांति और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

आधुनिक समाज, एकाकीपन और स्वास्थ्य का वैश्विक संकट

आज लोग - स्वयं में उलझे हुए सामाजिक जीवन से कटे रिश्तों से दूर तेज प्रतिस्पर्धा में थके भावनात्मक रूप से टूटे हुए बनते जा रहे हैं। आगे चलकर यही स्थितियाँ अवसाद (डिप्रेशन) और अन्य मानसिक बीमारियों को जन्म देती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवरेज दिवस का संदेश - इस दिवस का उद्देश्य केवल दवाएँ और अस्पताल उपलब्ध कराना नहीं है, बल्कि - मानसिक स्वास्थ्य की जागरूकता, समय पर चिकित्सा लेना, समाज में करुणा और सहानुभूति, स्वास्थ्य सेवाओं तक सभी की पहुँच, आर्थिक बोझ रहित उपचार, स्वस्थ जीवनशैली का निर्माण इन सबके लिए समाज और सरकार दोनों को मिलकर कार्य करना है।

योग - यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का सर्वश्रेष्ठ आधार योग ऐसी विधा है जो स्वास्थ्य को शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक चारों स्तरों पर पूर्ण बनाती है। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज का वास्तविक अर्थ तभी पूरा होगा जब - इलाज - दवाएँ - योग, अस्पताल - डॉक्टर - योग प्रशिक्षक, स्वास्थ्य - शरीर - मन - प्राण, चिकित्सा - विज्ञान - आध्यात्मिकता दोनों मिलकर मानव को पूर्ण स्वास्थ्य प्रदान कर सकें।

मानवता के लिए योग - स्वास्थ्य का सार्वभौमिक सेतु योग गुरु महेश अग्रवाल का संदेश स्पष्ट है - व्यक्ति के मनोविकार, निराशाएँ और भावनाएँ ही उसकी अधिकांश बीमारियों का मूल कारण हैं। योग अभ्यास से अतिरिक्त प्राणशक्ति प्राप्त होती है तथा मन - शरीर - आत्मा - तीनों स्तरों पर संतुलन आता है।

अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य कवरेज दिवस हमें याद दिलाता है कि - स्वास्थ्य किसी वर्ग का विशेषाधिकार नहीं, समूचे मानव समाज का जन्मसिद्ध अधिकार है। और योग वही मार्ग है जिससे हम - बीमारी से मुक्ति, मन की शांति, जीवन में संतुलन, समाज में समरसता और मानवता में स्वास्थ्य ला सकते हैं।

अमृत जल को अनवरत बहने दो नदियों की बाहों में, अब मत बंद करो गोदामों में...

सुशील कुमार जैन

भारत में 1 किलो गेहूँ पैदा करने में औसतन 1,500-2,000 लीटर पानी लगता है और 1 किलो चावल में 3,000-5,000 लीटर तक पानी खर्च होता है। इस तरह नदियों-तालाबों का पानी वास्तव में अनाज के रूप में 'कैद' हो जाता है। पानी-भक्षक फसलों से छुटकारा ढूँढना जरूरी हो गया है। वर्षों से धान और गन्ना जैसे फसल-पैटर्न ने कई राज्यों के भूजल को खोखला कर दिया है। यह मॉडल लंबे समय तक चलने वाला नहीं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस प्रक्रिया में देश के जल संसाधनों पर असामान्य दबाव पड़ रहा है। एक किलो चावल तैयार करने में हजारों लीटर पानी लगता है। यही पानी, जो तालाबों, कुओं और नदियों में रहकर पारिस्थितिकी को स्वस्थ रख सकता था, वह अनाज के रूप में खेतों में खप जाता है। भूमिगत जलस्तर गिरता जाता है। जहाँ आज जल-संकट केवल भविष्य की चेतावनी नहीं, वर्तमान की वास्तविकता बन चुका है। यह संकट सबसे अधिक कृषि पर दबाव डाल रहा है, क्योंकि देश के कुल जल उपयोग का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा खेती ही निगल जाती है।

एमएसपी का झुकाव वर्षों से धान और गेहूं की ओर रहा है।परिणामस्वरूप किसान जोखिम लेकर वैकल्पिक फसलों की ओर नहीं बढ़ पाते। यदि एम एस पी को फसल विविधता से जोड़ दिया जाए तो किसान जल बचाने वाली फसलों की ओर स्वाभाविक रूप से आकर्षित होंगे। यह बदलाव जल-संकट और पोषण दोनों का समाधान बन सकता है। सरकारी वितरण प्रणाली मे परिवर्तन कर जल-बचत वाली फसलों की राह भी जल, मृदा संरक्षण में मदद कर सकती है। सरकारी वितरण प्रणाली में चावल-गेहूं की जकड़न जल-संकट का एक बड़ा कारण है। यदि सरकार फूड-कैश ट्रांसफर या विविध अनाजों की खरीद जैसे मॉडल अपनाए, तो पानी-भक्षक फसलों पर निर्भरता कम होगी और उपभोक्ता भी अधिक पौष्टिक आहार चुन सकेंगे। प्राकृतिक, जैविक और ज़ीरो-बजट खेती इसमे मिट्टी और पानी दोनों का संरक्षण एवं संवर्धन होता है। वही रासायनिक आधारित खेती मिट्टी की नमी और स्वास्थ्य दोनों को कमजोर करती है। इसके विपरीत प्राकृतिक और जैविक खेती मिट्टी की संरचना को सुधरती है और पानी की आवश्यकता घटाती है। प्राकृतिक, जैविक और ज़ीरो-बजट खेती केवल एक खेती पद्धति नहीं, बल्कि पर्यावरण और किसान–दोनों के हित में दीर्घकालीन निवेश है।

ड्रिप और स्प्रिंकलर तकनीक अब विकल्प नहीं, जरूरत है: ये तकनीकें पानी की 40-60% तक बचत करती हैं, सिंचाई को सटीक बनाती हैं,सूखे क्षेत्रों में उत्पादन सुरक्षित करती हैं।सरकार को चाहिए कि इन तकनीकों को किसानों की पहुंच में लाने के लिए सब्सिडी व प्रशिक्षण बढ़ाए। जल-संरक्षण आधारित कृषि नीति–भविष्य की जरूरत है, इसके लिए देश को ऐसी कृषि नीति की आवश्यकता है जहाँ वर्षा आधारित खेती, भूजल प्रबंधन, खेत-तालाब, मेड़बंदी और जल-संरक्षण तकनीकों को नीति के केंद्र में रखा जाए। कृषि को पानी का उपभोगकर्ता नहीं, पानी का संरक्षक बनाना होगा। जलधारण क्षमता बढ़ाना–नदियों और तालाबों का पुनर्जीवन करना होगा। इसके लिए तालाबों, नदियों और जलाशयों की क्षमता बढ़ाना जल-सुरक्षा का सबसे विश्वसनीय तरीका है। गहरीकरण, वृक्षारोपण, चेक-डैम, परकोलेशन टैंक–ये सब केवल तकनीकी हस्तक्षेप नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन का हिस्सा बनने चाहिए।

निष्कर्ष के रूप मे भारत के सामने जल-संकट का खतरा वास्तविक और तीव्र है।समाधान तकनीक, नीति और व्यवहार तीनों के संयुक्त परिवर्तन में छिपा है। यदि खेती को पानी -केंद्रित दृष्टि से पुनर्संगठित कर दिया जाए, तो न केवल किसान सुरक्षित होंगे, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी एक स्थायी, संतुलित और जल-समृद्ध भारत मिल सकेगा। देश की खाद्य-सुरक्षा जरूरी है, पर उससे भी अधिक जरूरी है–जल और भूमि की सुरक्षा, जो किसी भी राष्ट्र की वास्तविक पूँजी होती है। अब हमें गंभीरता से कम पानी में पनपने वाली फसलों की ओर बढ़ना होगा जैसे मोटे अनाज, दालें, तिलहन। ये न केवल खेती को पानी के बोझ से मुक्त करते हैं, बल्कि पोषण और खाद्य सुरक्षा को भी मजबूत बनाते हैं।यदि हमने संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग नहीं किया, तो भविष्य की पीढ़ियाँ उस कीमत को चुकाएंगी, जिसके संकेत आज ही स्पष्ट दिखाई देने लगे हैं।

मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग सिक्किम को देगा 400 ईवीएम

भोपाल, सांध्यप्रकाश। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग ईव्हीएम शेयरिंग पॉलिसी के तहत किराये पर सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग को 400 ईव्हीएम उपलब्ध करायेगा। इस संबंध में गुरुवार को राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव की उपस्थिति में सचिव मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग श्री दीपक सिंह और सचिव सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग सुश्री ग्लोरिया नामचू ने एमओयू पर हस्ताक्षर किये।

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री श्रीवास्तव ने कहा कि ईव्हीएम शेयरिंग के मामले में मध्यप्रदेश पॉयनियर स्टेट है। उन्होंने बताया कि ईव्हीएम शेयरिंग पॉलिसी के तहत छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग को ईव्हीएम किराये पर दी जा चुकी हैं। इसी तरह जम्मू-कश्मीर एवं महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन को भी ईव्हीएम किराये पर देने के लिये एमओयू हो चुका है। अन्य राज्यों के साथ भी एमओयू की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी को-ऑपरेटिव फेडरेलिजम का बेहतर उदाहरण है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया है। उन्होंने कहा कि आज के एमओयू से सिक्किम और मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के बीच संबंध और सुदृढ़ होंगे। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग श्री दीपक सिंह ने बताया कि मध्यप्रदेश में वर्ष 2014-15 में स्थानीय निर्वाचन में ईव्हीएम का उपयोग शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि ईव्हीएम के माध्यम से चुनाव कराने में सहूलियत होने के साथ ही पारदर्शिता भी बनी रहती है। श्री सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ को 2 हजार ईव्हीएम और महाराष्ट्र को 25 हजार कंट्रोल यूनिट और एक लाख बेलेट यूनिट किराये पर दी गयी हैं।

सचिव सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग सुश्री नामचू ने इस एमओयू पर कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए ईव्हीएम शेयरिंग पॉलिसी की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह पॉलिसी सिक्किम जैसे छोटे राज्यों के लिये बहुत उपयोगी है। सुश्री नामचू ने कहा कि इससे राज्यों का आर्थिक बोझ कम होगा और सरलता से स्थानीय चुनाव कराये जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा उपयोग की जा रहीं निर्वाचन की अन्य नवीनतम तकनीकों के बारे में भी जानकारी मिलेगी, जिसका उपयोग सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग करेगा। ईव्हीएम को किराये पर देने के लिये प्रति कंट्रोल यूनिट 400 एवं प्रति बीयू 200 रुपये की दर निर्धारित है। किराये की राशि अग्रिम रूप से ली जाती है। ईव्हीएम के परिवहन का पूरा व्यय राज्य निर्वाचन आयोग सिक्किम वहन करेगा। ईव्हीएम मशीन आवश्यक सुरक्षा के साथ ले जानी होगी एवं निर्वाचन के बाद स्वयं ही मध्यप्रदेश के संबंधित जिलों में जमा करानी होगी। इस दौरान सिक्किम राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव श्री राजेन राय और उप संचालक श्री टी.टी. लेपचा, मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के उप सचिव श्री मनोज मालवीय, श्री सुतेश शाक्य, सुश्री संजू कुमारी, श्री मुकुल गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बीएचईएल में 3 अफसर बने जीएम हेड तबादले के साथ प्रभार में बदलाव

नई दिल्ली/भोपाल। बुधवार को भेल दिल्ली कॉरपोरेट ने 16 अफसरों को ईडी बनाकर गुरूवार को 3 अफसरों को जीएम हेड बनाने के आदेश जारी कर दिये । संभवतः कुछ और अफसरों को जीएम हेड बनाकर तबादले किये जा सकते हैं । भेल के वित्तीय वर्ष 2025–26 की समाप्ति में साढ़े तीन माह ही बचे हैं । शीर्ष प्रबंधन बेहतर जगह पर कुछ अनुभवी अफसरों को बिठा सकता है । जगदीशपुर यूनिट के महाप्रबंधन नवीन कौल को जीए हेड बनाकर नई दिल्ली में पीस मार्केटिंग,हरिद्वार के महाप्रबंधक सुनील कुमार सोमानी जीएम हेड जगदीशपुर,हरिद्वार के ही अमित गुप्ता को जीएम हेड इंडस्ट्रीज सेक्टर नई दिल्ली बनाकर भेजा है । वहीं इंडस्ट्रीज सेक्टर नई दिल्ली के महाप्रबंधक परवेज अहमद का तबादला टीबीजी नोयडा किया है । यह स्थानांतरण तत्काल प्रभाव से लागू होगा। आदेश में चार अधिकारियों को उनके वर्तमान ग्रेड में ही नई जिम्मेदारियाँ सौंपी गई हैं। खबर है कि बदलाव और भी होना है ।

भेल झांसी के इकाई प्रमुख रिज़वान फैसल सिद्दीक़ी बेहतर परफारमेंस के चलते बनें कार्यपालक निदेशक

भेल झाँसी। बीएचईएल झांसी के इकाई प्रमुख महाप्रबंधक रिज़वान फैसल सिद्दीक़ी को उनके उत्कृष्ट कार्य के फलस्वरूप भेल के निदेशक मंडल ने उन्हें कार्यपालक निदेशक के महत्वपूर्ण पद पर पदोन्नत किया ।श्री सिद्दीक़ी ने भोपाल से स्थानांतरित होकर 10 जनवरी 2025 को झांसी में महाप्रबंधक परिचालन के रूप में ज्वाइन किया था तथा 24 जनवरी 2025 को बीएचईएल झांसी के इकाई प्रमुख के रूप में पद भार ग्रहण किया । एम ए सी टी (वर्तमान में मेंनिट) कॉलेज भोपाल से मैकेनिकल इंजी. में स्नातक एवं परास्नातक की डिग्री धारक श्री रिज़वान जी ने वर्ष 1989 में बीएचईएल झांसी में अभियंता प्रशिक्षु के रूप में अपनी सेवाएं प्रारम्भ कीं तत्पश्चात भोपाल इकाई में स्थानांतरित हो गये थे । परिवहन कर्षण, भारी उपकरणों के अनुरक्षण एवं डिजाइन के क्षेत्र में सिद्धहस्त श्री रिज़वान को बीएचईएल की भोपाल एवं झांसी इकाइयों में अपनी 36 वर्षों से अधिक की सेवा अवधि में यांत्रिक तकनीक, भारी मशीन अनुरक्षण, अभिकल्प, योजना सहित विभिन्न प्रकायों का वृहद व्यवसायिक अनुभव है । श्री रिज़वान को तकनीकी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हेतु श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1999 में विश्वकर्मा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जा चुका है । आपने बीएचईएल झांसी के इकाई प्रमुख के रूप में प्लांट का कुशलतापूर्वक संचालन करते हुए वार्षिक टर्नओवर एवं लाभ की दृष्टि से इकाई को एक अच्छे स्तर पर लाकर अपने कुशल प्रबंधन एवं नेतृत्व की छाप छोड़ी है । श्री रिज़वान फैसल सिद्दीक़ी की पदोन्नति के शुभअवसर पर भेल के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों, यूनियन प्रतिनिधियों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं देकर उनके नेतृत्व में कम्पनी के विकास में सतत सहयोग का आश्वासन दिया।

बीएचईएल की इंजीनियरिंग के क्षेत्र में न केवल देश, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान

ईडी, आईपीएस अधिकारियों ने किया औद्योगिक दौरा, सुरक्षा पर विशेष सत्र आयोजित

भेल भोपाल, सांध्यप्रकाश। बीएचईएल भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) 77 आरआर के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने औद्योगिक इकाई का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान प्रशासनिक भवन में 'महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की औद्योगिक सुरक्षा' विषय पर विशेष प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया। भ्रमण के दौरान आईपीएस अधिकारियों ने बीएचईएल भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रदीप कुमार उपाध्याय से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर टीयू सिंह, महाप्रबंधक (मानव संसाधन), राजेश कुमार अग्रवाल, महाप्रबंधक (एसओएम), तथा आरिफ अहमद सिद्धीकी, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) भी मौजूद रहे। अपने संबोधन में श्री उपाध्याय ने युवा आईपीएस अधिकारियों को देश सेवा का मार्ग चुनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि बीएचईएल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में न केवल देश, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक विशिष्ट पहचान रखता है। उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से संस्थान की उपलब्ध तकनीक और अनुभव का अधिकतम लाभ लेने का आग्रह किया। श्री उपाध्याय ने कहा कि एक पुलिस अधिकारी के लिए आवश्यक है कि वह लोगों से संवाद बनाए रखे, कड़ी मेहनत करे और ईमानदारी को सर्वोपरि रखे। उन्होंने कहा कि सामाजिक संरचना को समझते हुए राष्ट्रहित में कार्य करना ही सफलता का मार्ग है। इस अवसर पर महाप्रबंधक (मा.सं.) टीयू सिंह ने प्रशिक्षु अधिकारियों का स्वागत करते हुए बीएचईएल के औद्योगिक, सांस्कृतिक और सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीएचईएल केवल एक कारखाना नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश और विशेषकर भोपाल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली संस्था है। वहीं, महाप्रबंधक (एसओएम) आरके अग्रवाल ने बीएचईएल भोपाल में निर्मित विभिन्न उत्पादों और सुविधाओं की जानकारी प्रदान की। इसके बाद वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (सीपीएक्स) मोहित शाह द्वारा प्रस्तुतीकरण दिया गया।

बकायेदार उपभोक्ता एमपी ऑनलाइन एवं कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से भी 'समाधान योजना' का ले सकेंगे लाभ

भोपाल, सांध्यप्रकाश। विगत 3 नवंबर से शुरू हुई समाधान योजना 2025-26 का उपभोक्ता भरपूर लाभ उठा रहे हैं। इसे देखते हुए कंपनी द्वारा समाधान योजना 2025-26 में उपभोक्ताओं को भुगतान के नए विकल्प उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि अब बकायदार उपभोक्ता एमपी ऑनलाइन एवं कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) सेवाओं के द्वारा भी 'समाधान योजना' के अंतर्गत राशि जमा कर सकते हैं, ताकि अधिक से अधिक बकायेदार उपभोक्ता योजना का लाभ उठा सकें। कंपनी ने बताया कि समाधान योजना 2025-26 का लाभ हजारों बकायेदार उपभोक्ता उठा रहे हैं। राज्य सरकार की समाधान योजना 2025-26 से अनेक उपभोक्ता अपने बिल की बकाया राशि एकमुश्त जमा करने पर अधिकतम छूट का लाभ ले रहे हैं। कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने कंपनी के बकायेदार उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे प्रथम चरण में ही एकमुश्त भुगतान कर इस योजना में शामिल होकर सरचार्ज में अधिकतम छूट का लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना उन बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए वरदान बनी है जो सरचार्ज के कारण मूलधन राशि जमा नहीं कर पा रहे थे। अब उन्हें समाधान योजना के प्रथम चरण में सरचार्ज में 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक छूट के साथ एकमुश्त अथवा किश्तों में भुगतान करने का विकल्प मिल रहा है।

समाधान योजना 2025-26 का उद्देश्य 3 माह से अधिक अवधि के उपभोक्ताओं को बकाया लंबित भुगतान के सरचार्ज पर छूट प्रदान करना है। यह योजना जल्दी आएं, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कम होता जाएगा। यह योजना दो चरणों में प्रारंभ होकर प्रथम चरण की शुरुआत 3 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक रहेगी जिसमें 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय और अंतिम चरण में जो कि एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी।

ऐतिहासिक बरमान घाट मेले की प्रशासनिक स्तर पर शुरू हुई तैयारिया, बैठक हुई

नरसिंहपुर, सांध्यप्रकाश। अनादि काल से नर्मदा के बरमान घाट पर मकरसंक्रती से नर्मदा जयंती तक एक माह तक अनवरत ऐतिहासिक मेला का आयोजन होता चला आ रहा है. नर्मदा पुराण के अनुसार यहाँ पर स्थित दीपेश्वर टापू पर ब्रह्मा जी ने श्राप से मुक्ति पाने हेतु भगवान शंकर जी का तप किया था जिससे इसका नाम ब्रह्माण्ड घाट पड़ा जो कालांतर मे ब्रह्मांड के स्थान पर बरमान घाट से प्रसिद्ध हो गया. तब से लेकर अब तक इस मेला का आयोजन यहाँ होता चला आ रहा है.

इस मेले का आयोजन गाडरवाड़ा तहसील की चावरपाठा जनपद के ग्राम पंचायत बारमन खुर्द एवं करेली तहसील व जनपद के बारमन कला ग्रामपंचायत के अंतर्गत आता है, जिसमे भारी संख्या मे श्रद्धालू आते है, जिसकी विधिवत व्यवस्था संचालन हेतु मेला समिति व जिला स्तर पर की जाती है. प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी कलेक्टर एवं अध्यक्ष मेला समिति बरमान श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता और तेंदूखेड़ा विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल की विशेष मौजूदगी में बरमान मेला-2026 की प्रारंभिक तैयारियों के संबंध में बुधवार को विश्राम गृह बरमानकलां में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती अनीता राजेंद्र ठाकुर, सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, जनपद पंचायत चांवरपाठा अध्यक्ष सोबरन सिंह ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य धनंजय सिंह, अन्य जनप्रतिनिधि, एसडीएम नरसिंहपुर मणिन्द्र कुमार सिंह व एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती ब्यारे, अधिकारी, व्यापारी व अन्य संगठनों के पदाधिकारीगण और नागरिक मौजूद रहे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मेला स्थल पर रास्ता निर्माण व मरम्मत कार्य, घाटों पर सफाई व मंदिरों की पुताई, वाहनों के लिए स्टेण्ड एवं पार्किंग व्यवस्था, मेला

स्थल पर दुकान आवंटन ले-आउट, मेला दुकान के लिए जमीन की दरें, विद्युत व्यवस्था, शौचालय एवं सफाई व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, टेंकर व्यवस्था, मेला स्थल के लिए बांस-बल्ली आदि की व्यवस्था, कंट्रोल रूम, दूरसंचार एवं सार्वजनिक ध्वनि विस्तार व्यवस्था, घाट सुरक्षा, तैराक दल, मोटर वोट, अस्थाई थाना, पुलिस कंट्रोल रूम, अग्नि शमन, कानून व्यवस्था, अवैध बसों का संचालन तथा अवैध वसूली पर रोक, नर्मदा जल स्तर नियंत्रण, चिकित्सा व्यवस्था, प्रदर्शनी, टेलीफोन डायरी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, पूजन सामग्री विसर्जन आदि के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने निर्देश दिए कि गोताखारों के लिए लाइफ जैकेट एवं ट्यूब की पर्याप्त संख्या में उपलब्धता, डेन्जर जोन के लिए सेफ्टी बॉल का निर्माण, व्यापारियों को सुरक्षा संबंधी रिकॉर्डिंग मैसेज तैयार प्रसारित करने, ब्रिज एवं नाव पर रोप आदि समुचित व्यवस्था की जायँ. विधायक विश्वनाथ सिंह पटेल ने कहा कि मेला स्थल पर शौचालय की समुचित कराई जावे। बैठक में नर्मदा किनारे बरमानखुर्द एवं बरमानकलां के घाटों की मिट्टी निकालने एवं साफ-सफाई व पुताई का कार्य एस्टीमेट बनाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने, घाटों एवं दीवारों पर स्वच्छता संबंधी नारे लेखन, वाहनों के लिए स्टेण्ड एवं पार्किंग व्यवस्था, मेला में सड़कें, दुकानों, मनोरंजन स्थल, 50 शौचालय का अस्थाई निर्माण, प्रदर्शनी आदि के लिए ले-आऊट आदि हेतु निर्देश दिए गए।

जिला स्तरीय उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक औद्योगिक क्षेत्र पीलूखेड़ी में आयोजित

राजगढ़, सांध्यप्रकाश। ओसवाल वूलन लिमिटेड के कॉन्फ्रेंस हॉल औद्योगिक क्षेत्र पीलूखेड़ी में कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय उद्योग संवर्धन बोर्ड की बैठक संपन्न हुई। बैठक में औद्योगिक विकास, आधारभूत सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था और विभागीय कार्यों की व्यापक समीक्षा की गई। उद्योगपतियों ने मजदूरों के लिए डिस्पेंसरी-सीयूएम-ब्रांच ऑफिस स्थापित करने की आवश्यकता बताई, जिससे श्रमिकों को त्वरित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों। कलेक्टर ने इसे महत्वपूर्ण बताते हुए संबंधित विभागों को शीघ्र कार्यवाही के निर्देश दिए। पीलूखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में हाई-मास्ट लाइट बंद रहने, जल आपूर्ति बाधित होने तथा बिजली संबंधी समस्याओं को भी प्रमुखता से उठाया गया। कलेक्टर ने विद्युत विभाग को हाई-मास्ट लाइटों को यथाशीघ्र चालू करने, जल आपूर्ति सुधारने तथा जीएम डीआईसी को बिजली संबंधी शिकायतों का तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही एमपीएसआईडीसी को निर्देशित किया कि औद्योगिक क्षेत्र में अप्रयुक्त/अनालॉटेड भूमि की विस्तृत जानकारी तत्काल प्रस्तुत की जाए। उधोग विभाग उद्योग के लिए आवंटित जमीन का संयुक्त टीम भ्रमण करें। आवंटित जमीन पर अतिक्रमण न हो यह सुनिश्चित करें। उन्होंने औद्योगिक क्षेत्र के पास चल रहे हैं रेल्वे के निर्माण कार्य के ठेकेदार राइट कंट्रक्शन भोपाल द्वारा मार्ग पर आवागमन हेतु पर्याप्त बिजली की व्यवस्था नहीं करने पर संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री अमित तोलानी ने सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदु प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि पीलूखेड़ी औद्योगिक क्षेत्र में तैनात सुरक्षा कर्मियों का एक सक्रिय व्हाट्सएप ग्रुप बनाया जाए, जिसे निरंतर सक्रिय रखा जाए, ताकि पुलिस तुरंत सहायता प्रदान कर सके। उन्होंने बताया कि पुलिस की नियमित पेट्रोलिंग से सुरक्षा व्यवस्था में बेहतर परिणाम मिल रहे हैं। पुलिस अधीक्षक श्री तोलानी ने उद्योगों से आग्रह किया कि कंपनी की प्रतिष्ठा को देखते हुए सी एस आर योगदान बढ़ाते हुए उच्च गुणवत्ता के सी सी टी वी कैमरे उन 20 चिन्हित

बिंदुओं पर लगाए जाएं, जहाँ आपराधिक गतिविधियों की संभावना अधिक रहती है। इससे सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। उन्होंने बताया कि मिशन रेडियम को औद्योगिक क्षेत्र का सहयोग आवश्यक है, जिससे ड्रिंक एंड ड्राइव से होने वाली दुर्घटनाओं में प्रभावी कमी लाई जा सके। साथ ही पुलिस अधीक्षक श्री तोलानी ने कहा कि अपराधों में संलिप्त कुछ जनजाति समुदायों के युवाओं को उद्योगों में सेमी-स्किल्ड रोजगार हेतु प्रशिक्षण देकर उन्हें मुख्यधारा में लाया जा सकता है। उन्होंने उद्योगपतियों से ऐसे युवाओं को प्रशिक्षण एवं अवसर उपलब्ध कराने का आग्रह किया। बैठक

कलेक्टर डॉक्टर गिरीश मिश्रा , पुलिस अधीक्षक श्री अमित तोलानी, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री इच्छित गढ़पाले, नरसिंहगढ़ एसडीएम सुशील कुमार, आईपीएस मिनी शुक्ला, मुकेश सिंह माइनिंग अधिकारी राजगढ़, महाप्रबंधक जिला उद्योग श्रीमती सीमा सोलंकी, पपीलूखेड़ी औद्योगिक संघ के अध्यक्ष श्री राकेश चौधरी, संरक्षक श्री मदन गोपाल चौधरी, महासचिव श्री मयंक वाजपेयी उपाध्यक्ष मुंशी भगत भोपाल ग्लूज आर केमिकल, मैनेजर महेश जैसवाल, विंध्याचल डिसलायरीज, सचिव अश्विनी एलए कोका-कोला , मीडिया प्रभारी शाहिद पठान, सिद्धार्थ जैन, अमित नायक, कपिल अग्रवाल, राहुल अग्रवाल, योगेश शर्मा, भूपेंद्र भदोरिया, रॉबिन गवलानी, अनूप शर्मा , अरुण कुमार शर्मा , गौरव कुमार , राजेंद्र कुमार राजेश सोरनकर, शादी उद्योग के प्रतिनिधि उपस्थित रहे वहीं पर सर में उद्योगों ने किया सहयोग के प्रतिष्ठित पत्र भी बांटे गए एवं हाईवे पर आ रही परेशानियों को भी देखा गया।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए मध्य प्रदेश टीम मुंबई रवाना

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश। 12 से 14 दिसंबर तक अलीबाग में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय रोप स्किपिंग प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु मध्य प्रदेश टीम आज छिंदवाड़ा स्टेशन से नागपुर के लिए रवाना हुई। कुल 24 छात्र-छात्राओं तथा 5 अधिकारी/मेंबर की यह टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने हेतु नागपुर से दुरंतो एक्सप्रेस द्वारा मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगे। खिलाडि?ों के उत्साहवर्धन के लिए छिंदवाड़ा के महापौर माननीय श्री विक्रम अहके स्वयं स्टेशन पहुंचे, जहां उन्होंने बच्चों से मुलाकात की और प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। मध्य प्रदेश रोप स्किपिंग एसोसिएशन के महासचिव इमाम बख्श सौदागर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाडि?ों में शामिल हैं–प्रज्ञा गुप्ता, ओजस्विनी डेहरिया, नित्य पवार, स्नेही डेहरिया, तह्मीद अली, चहल साहू, कबीर यादव, शौर्य यादव, विजेंद्र यादव, तेजस भारद्वाज, मोहम्मद साद खान, अलीशा सिंह, भूमि भलावी, माही भलावी, घनिष्ठ गौतम, पूर्वी वरमैया, हरियाना खान, वेदिका उपाध्याय, ऋषि लाहोरिया, तौहीद सिद्दीकी, कौशिक साहू, योगेश पवार एवं गायत्री पद्धति।

जनसुनवाई में जनता की समस्याओं का स्थाई निवारण नेता नहीं बेटा बनकर कर रहे जनसेवा

जनसुनवाई में आम जनों की समस्याओं से रूबरू होकर करते हैं निदान, 187 आवेदनों पर सुनवाई कर सुलझाई अपनों की समस्या

नरसिंहपुर, सांध्यप्रकाश। विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटेल द्वारा हर गुरुवार को विधायक निवास पर आयोजित की जाने वाली जनसुनवाई में इस सप्ताह कुल 187 आवेदन प्राप्त हुए। अपने-अपने प्रकरण लेकर पहुंचे आमजन की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनते हुए श्री पटेल ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को तत्काल निर्देश दिए और कई मामलों का मौके पर ही समाधान कराया जनता और जनप्रतिनिधि के बीच संवाद का यह सशक्त मंच ग्रामीण अंचलों के लोगों के लिए बड़ी उम्मीद बन चुका है। लोग अपनी समस्याओं को लेकर बिना किसी हिचक के पहुंचते हैं और उनके त्वरित निराकरण से संतुष्ट होकर वापस लौटते हैं। यही विश्वास और भरोसा जालम सिंह पटेल को जनता की पहली पसंद बनाता है राजनीति में प्रवेश से पहले सामाजिक सेवा को प्राथमिकता देने वाले जालम सिंह पटेल आज भी स्वयं को नेता

नहीं, बल्कि जनता का बेटा मानते हुए हर वर्ग के हितों की लड़ाई में आगे रहते हैं। जनसुनवाई के माध्यम से लगातार हो रहे समाधान ने क्षेत्रवासियों में यह संदेश स्पष्ट कर दिया है कि उनकी समस्याओं के समाधान हेतु उनका जनसेवक सदैव तत्पर खड़ा है उक्त जानकारी देते हुए विधायक मीडिया प्रभारी वैभव नेमा ने बताया कि जनसुनवाई में 187 आवेदनों की प्राप्ति हुई इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी गणमान्य नागरिक सहित अनेक समाजसेवी जन मौजूद रहे

बाघ गणना कैमरे में कैद हुआ ग्रामीण, गिरफ्तार कर जेल भेजा गया

नर्मदापुरम, सांध्यप्रकाश। मध्य प्रदेश के सतपुड़ा टाइगर रिजर्व में वन्यजीव सुरक्षा टीम के लिए हड़कंप मचाने वाला मामला सामने आया। नर्मदापुरम जिले में एक ग्रामीण बंदूक लेकर शिकार के उद्देश्य से जंगल में घुसा, लेकिन उसकी हरकत बाघ गणना 2026 के लिए लगाए गए कैमरा ट्रैप में कैद हो गई।फुटेज मिलने के बाद स्ङ्गक्रप्रबंधन ने तुरंत कार्रवाई की। आरोपी की पहचान कल्याण मवासी (कुकरपानी, छिंदवाड़ा) के रूप में की गई और उसे गिरफ्तार कर बैतूल न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया। एसटीआर के डिवीजन ऑफिस की टीम लगातार बाघ और वन्यजीवों के फुटेज पर नजर रख रही थी, तभी उन्होंने बंदूक थामे युवक को देखा। इसके बाद डिप्टी डायरेक्टर ऋष्टभा नेताम ने तवा बफर रेंज के निशान बीट पर जाकर घटना स्थल का मुआयना किया। टीम ने कैमरे के फुटेज के आधार पर आरोपी की पूरी जानकारी जुटाई और उसकी पुष्टि की।

भारतीय भाषा दिवस मनाया

छिंदवाड़ा, सांध्यप्रकाश अखिल भारतीय साहित्य परिषद, छिंदवाड़ा इकाई द्वारा अध्यक्ष डॉ. जैमिनी खानवे के मार्गदर्शन में भारतीय भाषा दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उलेखनीय है कि 11 दिसम्बर को प्रतिवर्ष भारतीय भाषा दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में छिंदवाड़ा इकाई के द्वारा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की विविध भाषाओं के महत्व को रेखांकित करना तथा बहुभाषिक सांस्कृतिक विरासत को सम्मानित करना था।

इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रसिद्ध साहित्यकार एवं विचारक दिनेश भट्ट ने भाषण दिया। उन्होंने भाषाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा बताया कि कैसे भाषा न केवल संचार का माध्यम है, बल्कि समाज में समरसता, सहिष्णुता और एकता स्थापित करने का भी सशक्त साधन है। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम (पूरा विश्व एक परिवार है) की भारतीय दर्शन की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की और बताया कि कैसे भाषाओं के माध्यम से विभिन्न समुदायों के बीच संवाद बढ़ाकर मानवता के एकीकरण की भावना को बल मिलता है।

लालघाटी फ्लाईओवर के नीचे आग लगी, 3 दमकलों ने काबू पाया

भोपाल, सांध्यप्रकाश। लालघाटी चौराहे पर फ्लाईओवर के नीचे सौंदर्यीकरण के लिए लगे एसीपी (एल्युमिनियम कंपोजिट पैनल) में शुक्रवार को आग लग गई। आग ब्रिज पर लगी लाइट और कचरे से भीषण हो गई। तुरंत 3 दमकलें मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग की वजह से काफी देर तक ट्रैफिक भी रुका रहा। बैरागढ़ से 2 और फतेहगढ़ फायर स्टेशन से एक दमकल मौके पर पहुंची। बैरागढ़ स्टेशन के फायर फाइटर मुबारिक अहमद ने बताया कि आग लगने की वजह सामने नहीं आई है। फ्लाईओवर में सौंदर्यीकरण के लिए लगे प्लाइवुड समेत अन्य सामान में पहले आग लगी थी। ऊपर लाइट के पोल में भी आग लग गई और सड़क पर कचरे की वजह से यह भभक गई। कुछ देर में आग बुझा दी गई। कोई जनहानि नहीं हुई है, लेकिन काफी नुकसान हुआ है। फ्लाईओवर कोहेफिजा से लालघाटी की ओर का रास्ता तय करवाता है। इसके नीचे चौराहा है, जो वीआईपी रोड, लालघाटी, बैरागढ़ की तरफ और एयरपोर्ट रोड को जोड़ता है। नीचे बैरागढ़ की ओर जाने वाले रास्ते में यह आग लगी थी।

उद्यानिकी महाविद्यालय छिंदवाड़ा में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस

छिन्दवाड़ा, सांध्यप्रकाश। उद्यानिकी महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने गत दिवस प्रभारी अधिष्ठाता डॉ. गौरव महाजन के निर्देशन में अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस मनाया। एनएसएस की प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. शिखा शर्मा ने सभी को अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस के उद्देश्य एवं सभी नागरिकों के समानता से जीने के अधिकार के बारे में बताया, जिससे सभी नागरिक आत्मविश्वास के साथ अपना जीवन जी सके। साथ ही छात्र - छात्राओं ने पोस्टर, कु. वर्षा एवं कु. आरती ने मानवाधिकार का सही दिशा में उपयोग करने एवं छात्रों के जीवन में इसकी उपयोगिता बताई और साथ ही राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी वॉलिंटियर्स व समाज को इस विषय में जागरूक करने की अनुशंसा की।

किसानों का पैर पखारना मेरा सौभाग्य- नरेश मरावी

सिवनी सांध्यप्रकाश। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी के नेतृत्व में प्रदेश की किसान विरोधी मोहन यादव सरकार की अदूरदर्शी नीतियों से परेशान किसानो के दुख दर्द को समझते हुये जिला कांग्रेस कमेटी सिवनी द्वारा भाजपा सरकार द्वारा चुनाव में किसानो से किये वादा और घोषणा अनुसार रबी और खरीफ फसलो का समर्थन मूल्य दिलाने एवं किसानों की बिजली, पानी, खाद बीज सहित अन्य मांगो को लेकर आंदोलन किया गया। आंदोलन पूर्व निर्धारित समय अनुसार कचहरी चौक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी द्वारा किसानों के पैर धोकर प्रांरभ किया गया।

किसान आंदोलन को सम्बोधित करते हुये नरेश मरावी ने प्रदेश की भाजपा सरकार से किसान हित में कहा कि हमारा प्रदेश एक कृषि प्रधान है, हमारे प्रदेश की सम्पूर्ण अर्थव्यवस्था कृषि पर आधारित है। परन्तु दुर्भाग्य की बात है कि आज प्रदेश का अन्नदाता किसान अपने मेहनत और खून पशीने से पैदा की हुई मक्का एवं धान की फसल को प्रदेश सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के कारण औने-पौने दाम पर बेचने पर मजबूर है, एक तरफ सरकार अपने आपको किसान हितैषी होने का दावा करती है और वही दूसरी तरफ मक्के की फसल का समर्थन मूल्य 2400 रू. प्रति क्विंटल घोषित होने के बावजूद कृषि मंडियों में मक्के की बोली 1200 रू. से 1600 रू. तक की बोली लगाई जा रही है, जबकि मक्के की फसल को पैदा करने में जुताई, बीज एवं खाद, खरपतवार नाशक, निंदाई, गहाई सब मिलाकर लागत ही लगभग 1500 रू. लग जाती है। इसी तरह धान की खरीदी भी सरकार द्वारा नाम के लिए की जा रही है, प्रति एक? पैदावार की अपेक्षा उससे आधी ही खरीदी की जा रही है और इसके साथ ही साथ गुणवत्ता के नाम पर अनेक किसानों की धान को रिजेक्ट कर दिया जा रहा है। ऐसी स्थिति में आज प्रदेश के किसान बन्धुओं के समक्ष गंभीर संकट खडा हो गया है। केवलारी विधायक ठा. रजनीश हरवंश सिंह ने भाजपा सरकार को आड़े हाथो लेते हुये कहा कि मैं और कांग्रेस पार्टी किसानो की ल?ाई सदन से स?क तक ल? रहें है परन्तु मध्यप्रदेश के मुखियॉ मोहन यादव की मानसिकता किसानो के दुखदर्द और ऑसू पोछने की नही है तभी तो केन्द्र सरकार को चिठ्ठी लिखकर किसानों की उपज धान मक्का की खरीदे से इंकार किया गया। जिला प्रभारी परासिया विधायक सोहन वाल्मीकी ने कहा कि मध्यप्रदेश विधानसभा में जब सरकार से मक्का खरीदी को लेकर सवाल किया गया तो सरकार की ओर से जवाब आया कि केन्द्र सरकार को मक्का खरीदी के संबंध में कोई प्रस्ताव राज्य सरकार द्वारा भेजा ही नही गया, यह किसानों के साथ कितना बडा छ्ल है। प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि यदि आज के इस आंदोलन के बाद अन्नदाता किसान कि फसलों का सही दाम नही मिला तो कांग्रेस इस आंदोलन को यही नही रोकने वाली और आने वाले समय में प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेताप्रतिपक्ष उमंग सिंघार एवं अन्य वरिष्ट नेताओं की उपस्थिति में उग्र आंदोलन किया जायेगा। आंदोलन को बरघाट के पूर्व विधायक अर्जुनसिंह काकोडिया, प्रदेश महासचिव विनोद वासनिक, वरिष्ठ कांग्रेस नेता असलम खान, मोहन सिंह चंदेल, राजकुमार खुराना, शिवराम पटेल, अतुलचंद मालू, उदयसिंह बघेल, घनश्याम सनोडिया, दुपेन्द्र लकी अमूले, हुकुमचंद सनोडिया, राजा मुबीन, तेजसिंह रघुवंशी, विरेन्द्र राज पप्पू ठाकुर, विनोद यादव, दयालु मरकाम, धनंजय सिंह ने भी सम्बोधित किया।

आंदोलन में सर्वश्री सुरेन्द्र करोसिया, पवन दिवाकर, विष्णु करोसिया, आनंद भगत, शोभाराम भलावी, यशपाल भलावी, नाहर सिंह मरावी, रमेश साहू, श्यामसिंह ठाकुर, अजीर्जुरहमान, दिलीप रक्सेल, राजिक अकील, आजम खान, रंजीत यादव, अयोध्या प्रसाद शरणागत, सहित बडी संख्या में किसान उपस्थित रहें।

सांसद खेल महोत्सव में आज से प्रारम्भ होगी जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं

छिंदवाडा, सांध्य प्रकाश। सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले में लगातार विभिन्न खेल गतिविधिया आयोजित की जा रही है। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताएं 12 दिसंबर से छिन्दवाड़ा मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। जिससे जहां जिला, विकासखंड, ग्राम पंचायतों और ग्रामीण क्षेत्रों एवं मंडल स्तर तक के सभी खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में खेलने का अवसर मिला वहीं चयनित खिलाड़ियों को राज्य और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेलने का अवसर भी मिलेगा। दोनों जिलों के प्रतिभागी खिलाड़ी सांसद खेल महोत्सव में अपनी प्रतिभा का परिचय देकर आगामी औलम्पिक और राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में जिलें का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भाजपा खेल प्रकोष्ठ के जिला संयोजक अंकित सोलंकी, श्रेय जैन और राकेश चौरसिया ने बताया कि सांसद बंटी विवेक साहू के मार्गदर्शन में छिन्दवाड़ा एवं पांढुर्णा जिले में आयोजित हो रहे सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत छिन्दवाडा मुख्यालय में 12 दिसंबर से जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है। जिसके तहत स्टेडियम ग्रांउड छिन्दवाड़ा में विक्रांत यादव व विनिता नेटी के मार्गदर्शन में फुटबॉल प्रतियोगिता, डिस्ट्रिक्ट छिन्दवाड़ा शूटिंग एसोसिएशन के प्रिंस इवनाती के मार्गदर्शन में खजरी में शूटिंग प्रतियोगिता, पी.जी. कॉलेज छिन्दवाड़ा में राजेन्द्र ठाकुर व सर्वोत्तम ठाकुर के मार्गदर्शन में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं, प्लेटो क्लब छिन्दवाड़ा में जी.एस.आर.नायडू व कमल अहिल्या के मार्गदर्शन में लॉन टेनिस प्रतियोगिताएं, पुलिस ग्राउण्ड छिन्दवाड़ा में देवचंद सूर्यवंशी व प्रीति मार्को के मार्गदर्शन में कबड्डी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी।

रामेश्वरम से मदुरई की तीर्थयात्रा पर जाने वाले यात्रियों का लॉटरी प्रक्रिया से होगा चयन

छतरपुर, सांध्य प्रकाश। अपर कलेक्टर मिलिंद नागदेवे ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजनातंर्गत छतरपुर जिले के 250 तीर्थ यात्री 22 दिसंबर 2025 को रामेश्वरम से मदुरई की तीर्थ यात्रा के लिए रवाना होंगे। शासन द्वारा जारी निर्देशों के पालन में ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त आवेदनों की संख्या अधिक होने के कारण लॉटरी के माध्यम से 12 दिसंबर 2025 को तीर्थ यात्रियों का चयन किया जाएगा। लॉटरी प्रक्रिया दोपहर 2 बजे कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी कक्ष में साफ्टवेयर के माध्यम से सम्पन्न कराई जाएगी। साथ ही 10 प्रतिशत के मान से प्रतीक्षा सूची भी तैयार की जाएगी।

3000 स्क्वायर फीट निजी भूमि अधिग्रहण की जगह करो 5000 स्क्वायर फीट और नागरिकों को मिले सर्विस रोड – राजीव गुजराती

सीहोर, सांध्यप्रकाश। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से निर्माणाधीन ओवर ब्रिज की गंभीर लापरवाही, गलत ड्राइंग-डिज़ाइन और कुंभकर्णी नींद में किए गए निर्माण कार्य के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजीव गुजराती के नेतृत्व में अनोखा प्रदर्शन किया गया। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास बन रहे ब्रिज में हो रही अनियमितताओं को लेकर कांग्रेस ने सोए हुए ब्रिज कॉर्पोरेशन को जगाया और सरकार की आंखों से पट्टी हटाने की मांग उठाई। श्री गुजराती ने मौके पर प्रेस से कहा कि ब्रिज कॉर्पोरेशन ने बिना जमीनी सर्वे किए गलत डिजाइन तैयार की, ड्राइंग बार-बार बदली, निजी भूमि न लगने का दावा गलत निकला और अब 3000 स्क्वायर फीट भूमि अधिग्रहण शुरू हो चुका है। हमारी मांग है कि अधिग्रहण बढ़ाकर 5000 स्क्वायर फीट किया जाए और जनहित में दोनों ओर सर्विस रोड दी जाए, ताकि लोगों को स्थायी राहत मिल सके। निर्माण से पहले सर्विस रोड न बनाए जाने से दो साल से लोग गड्ढों, धूल और दुर्घटनाओं से त्रस्त हैं। नगर पालिका से अनुमति लिए बिना मुख्य मार्ग बंद कर दिया गया, जिससे नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आज के नुक्कड़ नाटक और प्रदर्शन के माध्यम से कांग्रेस ने लापरवाही पर कार्रवाई और जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग दोहराई। हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पास निर्माणाधीन ब्रिज को भोपाल दिशा में पूर्ण करने के संबंध में महत्वपूर्ण तथ्य– ब्रिज निर्माण हेतु कार्यादेश दिसंबर 2023 में पीडब्ल्यूडी सेतु विभाग ने जारी किया और जनवरी 2024 से निर्माण शुरू हुआ। सितंबर 2023 के लेआउट के अनुसार उस समय निजी भूमि की आवश्यकता नहीं थी। ब्रिज हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के रास्ते से पहले, श्री नरेश माधुर के घर के सामने ही समाप्त हो रहा था और निर्माण भी उसी अनुसार प्रारंभ हुआ था। अप्रैल 2024 में अचानक ड्राइंग बदल दी गई और हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का रास्ता बंद करने का प्रस्ताव बनाया गया, परंतु कोई विकल्प नहीं सोचा गया। चालू काम को तोड़कर ब्रिज को निजी भूमि की ओर मोड़ दिया गया। बाद में सेतु निगम को अहसास हुआ कि आगे निजी भूमि है। सितंबर 2025 तक निर्माण दीवार बनाते हुए निजी भूमि तक पहुँचा और वहीं ठप हो गया। इस दौरान कॉलोनियों के निवासी लगातार प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को लिखित और मौखिक शिकायतें देते रहे, बारिश में कई लोग गिरे, फिसले, धरने दिए पर किसी ने कोई समाधान नहीं किया। अक्टूबर 2025 में पता चला कि निजी भूमि अधिग्रहण शुरू किया जा रहा है, जबकि डीपीआर में भू-अर्जन प्रस्तावित ही नहीं था। अब प्रश्न यह है कि डीपीआर में भूमि अधिग्रहण नहीं होने के बावजूद निर्माण विभाग ने किस भूमि को आधार मानकर योजना बनाई? निर्माण के दौरान लेआउट क्यों बदला गया? उत्तर दिशा की कॉलोनियों के निवासियों के रास्ते की समस्या का अब तक निराकरण क्यों नहीं किया गया? इन्हीं विवादों और अनियमितताओं के विरोध में कांग्रेस ने नुक्कड़ सभा कर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम में जफर लाला, प्रीतम दयाल चौरसिया, सीताराम भारती, रमेश गुप्ता, विवेक राठौर, राकेश वर्मा, रामप्रकाश चौधरी, घनश्याम यादव, घनश्याम मीणा, मनोज परमार, प्रेमनारायण परमार, इरफान लाला, मजीद अंसारी, के.के. रिछारिया, कमलेश चाण्डक, भगत सिंह तोमर, आसिफ अंसारी, धीरज ठाकुर, संतोष मालवीय, अनिल सेन, यश यादव, मोनू शर्मा, मनीष मेवाड़ा, हरिओम सिसोदिया, शुभम सक्सेना, अक्षत सेंगर, गजराज परमार, दिव्यांश, आशीष परमार, अरबाज़ खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन

मध्य प्रदेश में पारा 5 डिग्री से नीचे, इंदौर में 10 साल का रिकॉर्ड टूटा, कोल्ड वेव का अलर्ट जारी

भोपाल, सांध्य प्रकाश। मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। राज्य के कई जिलों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिर गया है। शहडोल जिले का कल्याणपुर इस ठंड में सबसे ठंडा स्थान रहा, जहां न्यूनतम तापमान केवल 3.8 डिग्री दर्ज किया गया। इंदौर में बीते 10 साल का न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड टूट गया, यहां रात का तापमान 4.5 डिग्री सेल्सियस मापा गया, जो पचमढ़ी से भी कम ठंडा था। मौसम विभाग के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हुई बर्फबारी के चलते राज्य में उत्तरी हवाओं की सक्रियता से शीतलहर बनी हुई है। प्रदेश के अधिकांश शहरों में पारा 10 डिग्री के नीचे दर्ज किया गया। अन्य ठंडे स्थानों में पचमढ़ी में 4.8 डिग्री, राजगढ़ में 5 डिग्री और शाजापुर के गिरवर में 5.2 डिग्री तापमान रहा।

आज शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार को भी भोपाल, इंदौर, राजगढ़, सीहोर और रायसेन में शीतलहर रही, जबकि शहडोल में शीत दिवस यानी कोल्ड डे का अनुभव हुआ। मौसम विशेषज्ञों ने नागरिकों से सावधानी बरतने और रात के समय ठंड से बचाव के लिए उचित इंतजाम करने की सलाह दी है।

नाम परिवर्तन सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा वास्तविक नाम आनंद लोधी (Anand Lodhi), निवासी- ग्राम निमघना कुण्डलपुर, पोस्ट पिपारा, तहसील पिछोर, जिला शिवपुरी (म.प्र.) पिन- 473670 है। परन्तु मेरे आधार कार्ड में त्रुटिवश मेरा नाम आवनेश लोधी (Avnesh Lodhi) अंकित दर्ज हो गया है जो कि गलत है। मेरी अंकसूची व अन्य दस्तावेजों में मेरा वास्तविक एवं सही नाम आनंद लोधी (Anand Lodhi) दर्ज है जिससे यह प्रमाणित है। यह कि आनंद लोधी (Anand Lodhi) एवं आवनेश लोधी (Avnesh Lodhi) नाम के दोनों एक ही व्यक्ति है। प्रकाशन उपरान्त मुझे मेरे वास्तविक नाम आनंद लोधी (Anand Lodhi) के नाम से जाना, पहचाना व पढ़ा जावे।

पुराना नाम :- आवनेश लोधी (Avnesh Lodhi)
नया नाम: - आनंद लोधी (Anand Lodhi)

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की सरकार के दो साल पूरे हो गए हैं। इस अवसर पर भोपाल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम ने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इस अवसर पर सरकार की दो वर्ष की उपलब्धियों की पुस्तक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा एवं राजेंद्र शुक्ल, प्रदेश मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल, एसीएस नीरज मंडलोई, जनसंपर्क आयुक्त दीपक सक्सेना प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश

विकास और सेवा के 2 वर्ष

औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा धार में देश के पहले पीएम मित्र पार्क का भूमिपूजन, 3 लाख से अधिक लोगों को रोजगार, 6 लाख कपास उत्पादकों को मिलेगा लाभ
- निवेश और औद्योगिक विकास का नया इकोसिस्टम, 18 नई नीतियों को मंजूरी
- ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, राष्ट्रीय इंटरैक्टिव सेशन एवं विदेश यात्राओं से ₹32 लाख करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त, 23 लाख से अधिक रोजगार सृजन
- ₹8.57 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव धरातल पर
- एक वर्ष में सर्वाधिक निवेश प्रस्ताव लाने वाला देश का तीसरा राज्य बना मध्यप्रदेश
- निवेश को सरल, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए "एमपी इन्वेस्ट पोर्टल 3.0 लॉन्च"
- 881 इकाइयों को भूमि आवंटन, 281 इकाइयों का भूमिपूजन और 141 इकाइयों का शुभारंभ
- 26 औद्योगिक पार्क/क्लस्टर को मंजूरी, मौजूदा 33 औद्योगिक क्षेत्रों का उन्नयन

गरीब कल्याण, वंचित वर्ग का उत्थान

- मध्यप्रदेश को गरीबी मुक्त बनाने के लिए गरीब कल्याण मिशन शुरू
- इंदौर की हुकुमचंद मिल के 4800 श्रमिक परिवारों को 224 करोड़ का भुगतान
- मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल योजना में 6.81 लाख जरूरतमंदों को 6430 करोड़ रुपये की सहायता, गिग वर्कर्स को संबल योजना में सम्मिलित
- दिव्यांगता और मृत्यु के आधार पर ₹4 लाख सहायता राशि
- 56 लाख से अधिक जरूरतमंदों को ₹4330 करोड़ की सामाजिक सुरक्षा पेंशन
- जनजातीय कल्याण के लिए ₹40,804 करोड़ का बजट प्रावधान
- तेंदूपत्ता संग्राहकों पारिश्रमिक ₹3000 से बढ़कर ₹4000 हजार
- प्रधानमंत्री वन-धन केंद्र योजना अंतर्गत 20 जिलों में 126 वन-धन केंद्र स्थापित
- पीएम जनमन योजनांतर्गत ₹98.30 करोड़ और धरती आबा योजनांतर्गत ₹401.56 करोड़ से अधिक के कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास
- "पीएम जनमन योजना" अंतर्गत 21 जिलों में 66 मोबाइल मेडिकल यूनिट का संचालित
- विशेष पिछड़ी जनजातीय के युवाओं को पुलिस, सेना एवं होमगार्ड में भर्ती कराने के लिये प्रशिक्षण हेतु बैगा, भारिया एवं सहरिया बटालियन होगी गठित

नागरिक हित से प्रेरित सुशासन

- नामांतरण, बंटवारा जैसे राजस्व प्रकरणों के ऑनलाइन निराकरण के लिये साइबर तहसील लागू करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य, साइबर तहसील 2.0 प्रारंभ
- 19 धार्मिक नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में शराब विक्रय प्रतिबंधित
- गंगोत्री योजना, एक बगिया माँ के नाम योजना और देहदान-अंगदान करने वालों के लिए गार्ड ऑफ ऑनर योजना लागू
- कर्मचारियों-अधिकारियों के 9 वर्ष से लंबित पदोन्नति के मामले का निराकरण
- शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत संबंधी शिकायतों के निराकरण हेतु 1912 हेल्पलाइन नंबर जारी
- गरीबों के प्रति संवेदनशील प्रदेश सरकार ने किया गरीब कैदियों की जुर्माना राशि भरने का निर्णय
- अंतर्राज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियों के स्थान पर रोड सेफ्टी एण्ड इंफोर्समेंट चैक पॉइंट की व्यवस्था
- खुले में मांस, मछली की बिक्री पर लगा प्रतिबंध
- लाउड स्पीकर की अनियंत्रित एवं अनियमित आवाज के प्रयोग को किया प्रतिबंधित
- भोपाल एवं इंदौर में बीआरटीएस कॉरिडोर को हटाने का निर्णय
- वीर शहीदों के परिजन को दी जाने वाली आर्थिक सहायता की 50-50 प्रतिशत राशि शहीद की पत्नी और माता-पिता को दिये जाने का निर्णय
- वॉरंट और समन की तामील के लिए ई-तकनीक का उपयोग प्रारंभ करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बना
- तीन नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी
- अलीराजपुर जिले का नाम अब हुआ 'आलीराजपुर'

सांस्कृतिक अभ्युदय

- सम्राट विक्रमादित्य, राजाभोज सहित 9 महापुरुषों के नाम पर राजधानी भोपाल में द्वार स्थापित किए जाएंगे
- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा उज्जैन के डोंगला में वेधशाला और आधुनिक तारामंडल का उद्घाटन
- ओंकारेश्वर में ₹ 2195 करोड़ से आचार्य शंकर संग्रहालय "अद्वैत लोक" का निर्माण
- गोवर्धन पूजा पर प्रदेशभर की गौशालाओं में गौ-पूजन कार्यक्रमों का आयोजन
- रक्षाबंधन पर बहनों के सम्मान में पूरे श्रावण माह प्रदेशव्यापी कार्यक्रमों ने भाई-बहन के स्नेह की बढ़ाई प्रतिष्ठा
- विक्रमोत्सव 2025 के तहत प्रदेश के प्रमुख शहरों व दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य की प्रस्तुति
- 1450 किमी लंबे श्रीराम वन गमन पथ निर्माण का निर्णय
- श्रीकृष्ण लीलाओं से जुड़े सभी तीर्थ स्थलों सांदीपनि आश्रम, नारायणा गांव उज्जैन, जानापाव इंदौर एवं अमझेरा धार को जोड़ कर श्रीकृष्ण पाथेय के निर्माण के लिए श्रीकृष्ण पाथेय न्यास के गठन को स्वीकृति
- सिंहस्थ-2028 की तैयारी प्रारंभ, टास्कफोर्स हुआ गठित। ₹ 7379.75 करोड़ के 74 अधोसंरचना विकास कार्य स्वीकृत
- सिंहस्थ- 2028 के लिए उज्जैन में प्रारंभ हुआ आकाशवाणी केंद्र
- मां क्षिप्रा के शुद्धिकरण के लिए ₹ 599 करोड़ की लागत से बनने वाली कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन
- क्षिप्रा नदी पर श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 29 कि.मी. घाट निर्माण कार्य जारी। 21 बैराजों के निर्माण कार्यों का शिलान्यास
- जल स्रोतों के संरक्षण के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अभूतपूर्व पहल पर जल गंगा संवर्धन अभियान का आयोजन। ₹ 1384 करोड़ की लागत से 56 हजार से अधिक जलस्रोतों का निर्माण एवं जीर्णोद्धार

युवा विकास, बेहतर कल का विश्वास

- अप्रैल 2023 से जून 2024 तक कुल 616 जॉब फेयर आयोजित, लगभग 61 हजार आवेदकों को निजी क्षेत्र में ऑफर लेटर प्रदाय
- युवाओं की शिक्षा, आधुनिक तकनीकों में योग्यता एवं कौशल निर्माण के साथ सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वामी विवेकानन्द युवा शक्ति मिशन प्रारंभ
- युवाओं को कौशल विकास और रोज़गार के अवसरों से जोड़ने के लिए मध्यप्रदेश युवा प्रेरक अभियान एवं भारतीय सेना, पैरामिलिट्री और पुलिस में भर्ती के प्रशिक्षण के लिए पार्थ योजना प्रारंभ
- डॉ. भीमराव अंबेडकर कामधेनु योजना में डेयरी इकाई लगाने के लिए ₹ 42 लाख तक ऋण सहायता
- सभी शासकीय विभागों में 1 लाख पदों पर की जा रहीं भर्तियां। आगामी 5 वर्ष में 2.50 लाख सरकारी नौकरियों पर भर्ती का लक्ष्य। पदों की भर्ती के लिए हर साल कैलेंडर होगा जारी
- स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों में सहभागिता के लिए ₹ 50 हजार से ₹ 1.50 लाख तक सहायता
- प्रतियोगी परीक्षाओं के शुल्क का भुगतान राज्य सरकार द्वारा किये जाने का निर्णय
- वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों में बनेंगे खेल स्टेडियम
- उज्जैन के इंजीनियरिंग कॉलेज में आईआईटी का सैटेलाइट कैंपस प्रारंभ
- वर्तमान में कुल 268 शासकीय आई.टी.आई. संचालित। 22 नये आई.टी.आई. प्रारंभ करने का निर्णय, 5 हजार 280 अतिरिक्त सीट्स की होगी वृद्धि
- 2782 स्टार्टअप्स की स्थापना की गई, जिसमें 1361 महिलाओं द्वारा संचालित

मध्यप्रदेश पर्यटन अब और भी अद्भुत

- मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश और राजस्थान को मिलाकर बनेगा चीता कॉरिडोर(कूनो के बाद चीतों का नया घर बना गांधी सागर अभ्यारण्य)
- बाघों की बढ़ती संख्या के लिए कान्हा देश का सर्वश्रेष्ठ टाइगर रिजर्व घोषित। टॉप 8 में कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व
- प्रदेश में रातापानी, भोपाल आठवां टाइगर रिजर्व घोषित होने के बाद शिवपुरी का माधव नेशनल पार्क बना 9वां टाइगर रिजर्व
- पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा और पीएमश्री वायु पर्यटन सेवा संचालित। देश में अंतर-राज्यीय वायु सेवा संचालित करने वाला पहला राज्य मध्यप्रदेश
- भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 20 नवीन शिकारा नाव सेवा का शुभारंभ
- अशोकनगर के चंदेरी के प्राणपुर ग्राम में ₹ 7 करोड़ की लागत से देश के पहले "क्राफ्ट हैण्डलूम टूरिज्म विलेज" का शुभारंभ
- ओंकारेश्वर स्थित एकात्म धाम (स्टैच्यू ऑफ वननेस) से गुजरात के केवड़िया में स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक होगा क्रूज का संचालन
- ओंकारेश्वर में विकसित होगी 26वीं वाइल्ड लाइफ सेंचुरी
- प्रदेश में ₹5500 करोड़ की लागत से बनने वाले टाइगर कॉरिडोर से टूरिज्म, आर्थिक विकास और रोजगार के अवसरों में बढ़ोतरी
- रानी दुर्गावती के नाम पर जबलपुर में बनेगा चिड़िया घर और रेस्क्यू सेंटर। उज्जैन में भी वन्यजीव रेस्क्यू सेंटर होगा स्थापित
- ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु प्रदेश के 121 गांवों में 241 होम-स्टे तैयार होने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लाभ एवं स्थानीय संस्कृति को पहचान। 1000 होम-स्टे बनाने का लक्ष्य

अधोसंरचना विकास

- प्रदेश के नगरों एवं ग्रामीण क्षेत्रों के "मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा" प्रारम्भ होगी
- भोपाल, इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन एवं सागर में प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के अंतर्गत 550 से अधिक शहरी ई-बसों का होगा संचालन
- वर्ष 2025-26 में 4078 किमी. लंबी सड़कों के निर्माण और अगले 5 वर्ष में एक लाख किलोमीटर सड़कों के निर्माण का लक्ष्य
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत 8565 गांव सड़कों से जुड़े
- उज्जैन-जावरा के मध्य 4-लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस कंट्रोल्ड हाईवे निर्माण के लिए ₹5 हजार करोड़ की स्वीकृति
- ₹1692 करोड़ की लागत से बनने वाले उज्जैन-इन्दौर सिक्स-लेन मार्ग का भूमि-पूजन
- ₹3589 करोड़ की लागत से भोपाल-कानपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर के 4-लेन में अपग्रेड करने की स्वीकृति
- 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर की परियोजना स्वीकृत
- वर्तमान में मध्यप्रदेश में ₹ 48, 178 करोड़ की 73 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएँ निर्माणाधीन
- रीवा, दतिया और सतना हवाई अड्डे के लोकार्पण के साथ 8 हवाई अड्डे
- विंध्यवासियों को सौगात, रीवा-दिल्ली, रीवा-इंदौर हवाई सेवा प्रारंभ
- उज्जैन हवाई अड्डे के विकास अनुबंध पर हस्ताक्षर
- मध्यप्रदेश में बनेगा रेल मैन्युफैक्चरिंग सेंटर, भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड (BEML) को सौंपा गया भूमि-आवंटन पत्र। रायसेन के उमरिया में होगी स्थापना।
- इंदौर में मेट्रो सेवा शुरू, भोपाल में शीघ्र शुरू होगा संचालन

ऊर्जा में अग्रणी

- मुरैना में पहली सोलर प्लस स्टोरेज परियोजना, ₹ 2.70 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली प्राप्त
- प्रदेश में 2000 मेगावॉट सौर पार्क व 1000 मेगावॉट कंपोजिट ऊर्जा भंडारण परियोजना स्थापित किए जाने की स्वीकृति
- ओंकारेश्वर 278 मेगावॉट फ्लोटिंग सोलर पावर प्रोजेक्ट से विद्युत उत्पादन प्रारंभ
- 880 मेगावॉट क्षमता की आगर और नीमच सौर परियोजना प्रारंभ
- बिजली उपभोक्ताओं की सुगमता के लिए समाधान योजना प्रारंभ

सिंचाई एवं पेयजल

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की पहली नदी-जोड़ो केन-बेतवा लिंक परियोजना का भूमि-पूजन, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना को लेकर त्रिपक्षीय समझौता और ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए महाराष्ट्र के साथ एमओयू
- "पर ड्रॉप मोर क्रॉप" के उद्देश्य की पूर्ति के लिए 133 वृहद एवं मध्यम प्रेशराइज्ड सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली आधारित परियोजनाएं निर्माणाधीन
- ₹2489 करोड़ से अधिक की लागत से रतलाम में नर्मदा-क्षिप्रा बहुउद्देशीय माइक्रो उद्वहन सिंचाई परियोजना का लोकार्पण। इससे 100 ग्रामों की 30218 हेक्टेयर भूमि में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी
- सिंचाई क्षमता का विस्तार 63.66 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 77.47 लाख हेक्टेयर किया जाएगा

आधुनिक नगरीय विकास

- दो मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र, पहला- इंदौर-उज्जैन-देवास-धार। दूसरा- भोपाल-सीहोर-रायसेन-विदिशा-ब्यावरा विकसित
- स्वच्छ सर्वेक्षण में प्रदेश के 14 निकायों को राष्ट्रीय सम्मान, इंदौर प्रथम और जबलपुर दूसरे स्थान पर
- पीएम आवास योजना (शहरी) 2.0 में बन रहे 10 लाख आवास
- पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत दो वर्षों में 2.90 लाख पथ विक्रेताओं को 1122 करोड़ के ऋण

बदली ग्रामीण विकास की दिशा

- हर ग्राम पंचायत में पीएम किसान समृद्धि केंद्र की होगी स्थापना
- प्रत्येक विकासखण्ड में मुख्यमंत्री वृन्दावन ग्राम योजना के अंतर्गत 155 विधानसभा क्षेत्रों में ग्रामों का चयन
- 'एक बगिया मां के नाम' अभियान से ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को गति
- "कैच द रेन" अभियान के अंतर्गत प्रदेश के खरगौन जिले को नेशनल वॉटर अवार्ड 2024 का प्रथम पुरस्कार
- प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत 11 लाख 46 हजार आवास स्वीकृत कर मध्यप्रदेश, देश में प्रथम रहा
- ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण के अंतर्गत मुख्यमंत्री मजरा-टोला सड़क योजना में ₹21,630 करोड़ की 30,900 कि.मी. सड़कों को स्वीकृति
- नक्सल प्रभावित जिलों में विकेंद्रीकृत कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ

खुशहाली की ओर अन्नदाता

- कृषक कल्याण मिशन मंजूर। 6 विभाग करेंगे काम।
  - फसल बीमा कवरेज 50% बढ़ाया जाएगा, प्रदेश की 100 मंडियों को आधुनिक बनाया जाएगा और मार्केटिंग का विस्तार प्रदेश के बाहर की मंडियों तक
- सोयाबीन उत्पादक किसानों के लिए भावान्तर योजना, 2 लाख 67 हजार किसानों को ₹482 करोड़ अंतरित
- कोदो का ₹2,500 प्रति क्विंटल और कुटकी का ₹ 3,500 प्रति क्विंटल की दर से उपार्जन
- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि तथा मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना के तहत ₹53 हजार करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण
- किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में ₹ 32,308 करोड़ का प्रावधान
- ग्रीष्मकालीन मूंग की ₹8682 प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य पर एवं उड़द की ₹7400 प्रति क्विंटल पर खरीदी का निर्णय
- कृषि से जुड़े रोज़गारपरक कारखाने में काम करने वालों को ₹5000 प्रतिमाह और कृषि आधारित उद्योग लगाने वाले किसानों को 50% तक की सब्सिडी
- किसानों को गेहूं उपार्जन पर प्रति क्विंटल ₹ 175 बोनस की सौगात। ₹2600 प्रति क्विंटल पर खरीद
- मंदसौर और नरसिंहपुर में आयोजित हुए कृषि उद्योग समागम में ₹8000 करोड़ से अधिकके निवेश प्रस्ताव प्राप्त, जिससे 12000 से अधिक नए रोज़गार होंगे सृजित
- अगले तीन वर्ष में किसानों को 32 लाख सोलर पंप उपलब्ध कराकर, बिजली बिल से मुक्ति दिलाई जाएगी। किसानों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रतिवर्ष 10-10 लाख कनेक्शन दिए जाएंगे
- रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना में ₹1000 प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम ₹3900 प्रति हेक्टेयर की अतिरिक्त सहायता
- मुख्यमंत्री सोलर पंप योजना अब प्रधानमंत्री कृषक मित्र सूर्य योजना के नाम से लागू
- आपदा प्रभावित 24 लाख से अधिक किसानों के खाते में ₹ 1830 करोड़ से अधिक की राहत राशि का अंतरण
- पराली प्रबंधन हेतु 46,800 कृषि यंत्रों पर ₹468 करोड़ की अनुदान सहायता
- NASA FIRMS पोर्टल से प्राप्त सैटेलाइट जानकारी को रोज़ाना जिला अधिकारियों को साझा कर पराली/नरवाई जलाने की घटनाओं पर कार्यवाही

गौ संरक्षण एवं डेयरी विकास

- स्वावलंबी गौ-शालाओं की स्थापना नीति-2025" स्वीकृत।
- दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने म.प्र. सरकार और राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के बीच एमओयू हुआ।
- गौ-वंश के बेहतर आहार के लिये प्रति गौ-वंश मिलने वाली ₹20 की राशि बढ़ाकर ₹40 करने का निर्णय
- घायल गायों के लिये हाइड्रोलिक कैटल लिफ्टिंग वाहन की व्यवस्था।
- ग्वालियर स्थित आदर्श गौ-शाला में देश के पहले 100 टन क्षमता वाले सीएनजी प्लांट की स्थापना।
- प्रदेश के 4 जिले आगर मालवा, इंदौर, ग्वालियर एवं उज्जैन में आदर्श गौशालाएं स्थापित, भोपाल, जबलपुर और सागर में आदर्श गौशालाओं के निर्माण कार्य प्रगतिरत।
- हर माह लगभग ₹50 करोड़ की राशि गौ-शालाओं के खाते में DBT के माध्यम से सीधे गौशाला के बैंक के खाते में हो रही अंतरित

सशक्त होतीं महिलाएं

- लाड़ली बहना योजना की राशि ₹ 1250 से बढ़कर ₹1500 प्रतिमाह
- महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारम्भ
- शासकीय सेवाओं में महिलाओं के आरक्षण को बढ़ाकर किया 35 प्रतिशत
- 4 औद्योगिक क्षेत्रों- विक्रम उद्योगपुरी, पीथमपुर सेक्टर-1 एवं 2, मालनपुर-घिरौंगी एवं मंडीदीप में वर्किंग वीमेन हॉस्टल का निर्णय। झाबुआ, सिंगरौली, देवास और नर्मदापुरम में भी वर्किंग वीमेन हॉस्टल को स्वीकृति
- महिला उद्यमियों के प्रोत्साहन के लिए 850 एमएसएमई इकाइयों को ₹275 करोड़ का अंतरण
- मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में जागरूकता हेतु 'सुमन सखी' चैटबॉट की शुरुआत
- 12 हजार 670 मिनी आंगनवाड़ी केंद्रों का पूर्ण आंगनवाड़ी केंद्रों में उन्नयन। 747 नए आंगनवाड़ी केंद्र स्वीकृत
- सेनिटेशन एवं हाईजीन योजना के अंतर्गत 20 लाख से अधिक बालिकाओं के खाते में ₹61.12 करोड़ से अधिक की राशि का अंतरण

शिक्षा-मजबूत भविष्य की बुनियाद

- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए 370 सांदीपनि विद्यालय
- 'हमारे शिक्षक' ऐप के माध्यम से ई-अटेंडेंस लागू
- ई-हॉस्टल मैनेजमेंट ऐप तैयार, रियलटाइम ट्रैकिंग की सुविधा
- पीएम श्री विद्यालयों का विस्तार, 799 मॉडल स्कूल, इनमें 4.8 लाख से अधिक विद्यार्थी नामांकित
- 52 सांदीपनि स्कूलों में रोबोटिक्स लैब और 458 पीएम श्री स्कूलों में ATL लैब
- 3367 स्कूलों में व्यावसायिक कोर्स शुरू
- प्रदेश के 20,000 से अधिक निजी विद्यालयों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम-2009 के तहत पढ़ने वाले 8.50 लाख बच्चों की फीस प्रतिपूर्ति
- विश्वविद्यालयों के कुलपति अब कुलगुरु
- जनजाति एवं स्वतंत्रता आंदोलनों के नायकों के नाम पर 3 नए विश्वविद्यालयों की स्थापना
- प्रत्येक जिले में एक और प्रदेश में कुल 55 चिह्नित कॉलेजों का पीएम कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस के रूप में उन्नयन
- रोजगार मेलों और प्लेसमेंट ड्राइव्स के माध्यम से 52119 युवाओं का प्रारंभिक चयन कर लेटर ऑफ इंटेंट प्रदान
- गांव की बेटी प्रोत्साहन योजना, प्रतिभा किरण प्रोत्साहन योजना, विदेश अध्ययन योजना, पीएचडी शोध छात्रवृति आदि योजनाओं के माध्यम से बड़े स्तर पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियों का लाभ
- एमपी बोर्ड 12वीं में 75 फीसदी अंक पाने वाले स्टूडेंट्स को लैपटॉप के लिए ₹25-25 हजार का प्रोत्साहन
- महाविद्यालयों के लिए 2 हजार से अधिक नवीन पद सृजित

सुलभ होती स्वास्थ्य सेवाएं

- उज्जैन में प्रदेश की पहली मेडिसिटी और मेडिकल कॉलेज का भूमिपूजन
- पीएम श्री एयर एम्बुलेंस सेवा से 109 जरूरतमंदों को एयरलिफ्ट किया
- 12,655 आयुष्मान आरोग्य मंदिर, 448 मुख्यमंत्री संजीवनी क्लीनिक और 72 मोबाइल मेडिकल यूनिट संचालित
- सिकल सेल में अभी तक 1.25 करोड़ से अधिक स्क्रीनिंग
- 2 वर्ष में 6 नये शासकीय मेडिकल कॉलेज खुले, शासकीय मेडिकल कॉलेज की संख्या बढ़कर 19 और निजी कॉलेजों की संख्या बढ़कर 14 हुई
- 3 नए जिला चिकित्सालय मैहर, मऊगंज और पांढुर्ना स्वीकृत व पांच जिला चिकित्सालयों का उन्नयन
- देहदान करने वाले 38 मृतकों को सरकार की ओर से गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया
- 800 आयुष आरोग्य मंदिर का संचालन
- 512 आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति-पत्रों का वितरण, 22 जिलों में आयुष चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए 213 पदों के सृजन का निर्णय
- सागर, मुरैना, शहडोल, बालाघाट, नर्मदापुरम में ₹350 करोड़ की लागत से खुलेंगे आयुर्वेदिक कॉलेज
- 12 जिलों में आयुष अस्पताल खोले जाएंगे